राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार 8 अगस्त-2021 वर्ष-4, अंक - 196 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रचा इतिहास

100 साल बाद नीरज चोपड़ा ने एथलेटिक्स में भारत को दिलाया गोल्ड

टोक्यो ।

स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक खेलों में शनिवार को भाला फेंक का स्वर्ण पदक अपने नाम करके भारत को ओलंपिक ट्रैक एवं फील्ड प्रतियोगिताओं में अब तक का पहला पदक दिलाकर नया इतिहास रचा। हरियाणा के खांद्रा गांव के एक किसान के बेटे 23 वर्षीय नीरज ने अपने दूसरे प्रयास में 87.58 मीटर भाला फेंककर दुनिया को स्तब्ध कर दिया और भारतीयों को जश्न में डुबा दिया। एथलेटिक्स में पिछले 100 वर्षों से अधिक समय में भारत का यह पहला ओलंपिक पदक है। नीरज भारत की तरफ से व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं इससे पहले निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने बीजिंग ओलंपिक 2008 में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीता था। भारत का यह वर्तमान ओलंपिक खेलों में सातवां पदक है जो कि रिकार्ड है। इससे पहले भारत ने लंदन ओलंपिक 2012 में छह पदक जीते थे। नीरज को ओलंपिक से पहले ही पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा है और इस 23 वर्षीय एथलीट ने अपेक्षानुरूप प्रदर्शन करते हुए क्वालीफिकेशन में अपने पहले प्रयास में 86.59 मीटर भाला फेंककर शीर्ष पर रहकर फाइनल में जगह बनाई थी। फाइनल में उन्होंने पहले प्रयास में 87.03 मीटर भाला फेंका था और वह शुरू से ही पहले स्थान पर चल रहे थे। तीसरे प्रयास में वह 76.79 मीटर भाला ही फेंक पाये जबकि चौथे प्रयास में फाउल कर गए। उन्होंने छठे प्रयास में 84.24 मीटर भाला फेंका लेकिन इससे पहले उनका स्वर्ण पदक पक्का हो गया था। चेक गणराज्य के जाकुब वादलेच ने 86.67 मीटर भाला फेंककर रजत जबकि उन्हीं के देश के वितेजस्लाव वेस्ली ने 85.44 मीटर की दूरी तक भाला फेंका और कांस्य पदक हासिल किया। इस सत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले और स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार जर्मनी योहानेस वेटर 82.52 मीटर भाला फेंककर पहले तीन प्रयासों के बाद ही बाहर हो गये थे। वह नौवें स्थान पर रहे। उन्होंने इस साल अप्रैल और जून में 90 मीटर भाला फेंका था। शीर्ष आठ एथलीटों को तीन और प्रयास मिले जबकि फाइनल में पहुंचे 12 खिलाड़ियों में से चार तीन प्रयास के बाद बाहर हो गये थे। दिग्गज मिल्खा सिंह और पीटी ऊषा क्रमश 1960 और 1984 में मामूली अंतर से चूक गये थे। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) अब भी नार्मन प्रिचार्ड के पेरिस ओलंपिक 1900 में 200 मीटर और 200 मीटर बाधा दौड़ में जीते गये पदकों को भारत के नाम पर दर्ज करता है लेकिन विभिन्न शोध तथा अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ (अब विश्व एथलेटिक्स) के अनुसार उन्होंने तब ग्रेट ब्रिटेन का प्रतिनिधित्व किया था।

पहला कॉलम

असम से सीमा विवाद के चलते मिजोरम में पेट्रोल-डीजल का संकट, नियंत्रित वितरण का आदेश

आइजोल। पूर्वोत्तर राज्य असम-मिजोरम के बीच चल रहे सीमा विवाद के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-306 पर ईंधन ले जाने वाले टैंकरों सहित वाहनों की आवाजाही बंद रहने के साथ मिजोरम सरकार ने डीजल और पेट्रोल के नियंत्रित वितरण का आदेश दिया है। राज्य के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया कि अंतरराज्यीय सीमा विवाद के कारण राज्य को ईंधन के भारी संकट का सामना करना पड़ सकता है। ईंधन पड़ोसी राज्य असम के रास्ते मिजोरम पहुंचता है। आदेश में कहा गया, सभी फिलिंग स्टेशनों को निर्देश दिया जाता है कि वे किसी वाहन के लिए निर्धारित मात्रा से अधिक पेट्रोल और डीजल नहीं दें। केवल उन वाहनों के लिए ईंधन जारी किया जाएगा जो फिलिंग स्टेशनों पर जाते हैं। छह, आठ और बारह पहिया वाहनों जैसे भारी मोटर वाहनों द्वारा एक बार में खरीदे जा सकने वाले ईंधन की मात्रा 50 लीटर और मध्यम मोटर वाहनों जैसे पिकअप ट्रकों के लिए 20 लीटर तक सीमित कर दी गयी है। आदेश में कहा गया कि स्कूटर के लिए अधिकतम तीन लीटर, अन्य दोपहिया वाहनों के लिए पांच लीटर और कारों के लिए 10 लीटर ईंधन की मंजूरी है। इसमें कहा गया कि चावल के बोरे, तेल और रसोई गैस ले जाने वाले ट्रकों को उतने ईंधन लेने की मंजूरी होगी, जो राज्य में आने और राज्य से निकलने के सफर के लिए पर्याप्त होगी। फिलिंग स्टेशनों से कंटेनर या गैलन बैरल में ईंधन लेने पर कड़ी पावंदी लगाई गई है।

कर्नाटक में नए मंत्रियों को विभाग बांटे, सीएम ने वित्त विभाग अपने पास रखा

बेंगलुरू। कर्नाटक में बसवराज बोम्मई मंत्रिमंडल का विस्तार होने के बाद शनिवार को नए मंत्रियों को विभाग बांटे गए हैं।बांटवारे में मुख्यमंत्री बोम्मई ने अपने पास वित्त, बेंगलुरु विकास और मंत्रिमंडल मामलों के मंत्रालय की जिम्मेदारी रखी है। दरअसल, राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने बसवराज बोम्मई की उपस्थिति में 29 मंत्रियों को शपथ दिलाई थी। मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान अरागा जनेंद्र को गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा पूर्व उपमुख्यमंत्री गोविंद करजोल को प्रमुख और मध्यम सिंचाई विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। आनंद सिंह को पारिस्थितिकी और पर्यावरण, वी सोमन्ना को आवास, प्रभु चव्हाण को पशुपालन, आर अशोक को राजस्व आवंटित किया गया। बोम्मई मंत्रिमंडल में ओबीसी के सात, एससी के तीन, एसटी के एक, वोक्कालिगा के सात, लिंगायत समुदाय के आठ, एक रेड्डी और एक महिला विधायक को जगह मिली।

दिल्ली में कोरोना संक्रमण के 72 नए मामले सामने आए, एक मरीज की मौत

नई दिल्ली । दिल्ली में शनिवार को समाप्त 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 72 नए मामले सामने आए हैं। यहाँ कोरोना संक्रमण दर 0.1 फीसदी हो गयी है। इन 24 घंटों के दौरान एक मरीज की मौत होने से अब तक कोरोना से मरने वालों का कुल आंकड़ा 25,066 हो गया है। शहर में कोरोना के मौजूदा सक्रिय मरीजों की संख्या 565 है। होम आइसोलेशन में 175 मरीज हैं। दिल्ली में सक्रिय कोरोना मरीजों की दर 0।03 फीसदी है। रिकवरी दर लगातार 23वें दिन 98.21 फीसदी है। शनिवार को समाप्त 24 घंटे में सामने आए 72 केसों के साथ कोविड से संक्रमित हुए मरीजों का कुल आंकड़ा 14,36,695 हो गया है। इन 24 घंटों में 22 मरीज डिस्चार्ज हुए। संक्रमित होने के बाद स्वस्थ हुए लोगों का कुल आंकड़ा 14,11,064 हो गया है। इन 24 घंटों में 73,681 टेस्ट हुए और इसके साथ टेस्ट का कुल आंकड़ा 2,41,55,020 हो गया। दिल्ली में कंटेनमेंट जोनों की संख्या 264 है। कोरोना डेथ रेट 1.74 फीसदी है।

हथकरघा उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ने की अपील

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने देश की जनता से हस्तशिल्प उत्पादों का इस्तेमाल करने की अपील की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि हथकरघा में भारत की विविधता तथा असंख्य बुनकरों और दस्तकारों की दक्षता नजर आती है। उन्होंने अपील की कि स्थानीय हथकरघा उत्पादों को समर्थन दिया जाये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हथकरघा में भारत की विविधता तथा असंख्य बुनकरों और दस्तकारों की दक्षता नजर आती है। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस की भावना को बल देकर हमारे बुनकरों को समर्थन देने की प्रतिबद्धता दोहराने का दिन है। आइये, हम सभी स्थानीय हथकरघा उत्पादों का समर्थन करें। ओलम्पिक पदक विजेता साइखोम मीराबाई चानू के एक ट्वीट का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा पिछले कुछ वर्षों के दौरान हैंडलूम में नई दिलचस्पी देखी जा रही है। मीराबाई चानू को माय हेंडलूम प्राइड का समर्थन करता देख खुशी हो रही है। मुझे पूरा विश्वास है कि हथकरघा क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देता रहेगा। उधर, गृहमंत्री अमित शाह ने भी राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर बुनकर समुदाय और इस क्षेत्र से जुड़े लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर, मैं हमारे बेहद प्रतिभाशाली बुनकर समुदाय और इससे जुड़े लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे पास एक जीवंत हथकरघा विरासत उद्योग है जिसे विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है और मोदी सरकार इस क्षेत्र को सशक्त बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इस राष्ट्रीय हथकरघा दिवस, आइए हम सभी भारतीय हथकरघा उत्पादों को पहनने का संकल्प लें और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें। प्राचीन बुनाई की हमारी समृद्ध परंपरा को सही मायने में बढ़ावा देने और संरक्षित करने का यह सबसे अच्छा तरीका है।

कर्नाटक ने केरल और महाराष्ट्र के साथ लगते जिलों में लगाया वीकेंड कर्फ्यू

नेशनल डेस्क। कर्नाटक ने कोविड-19 के फिर से बढ़ते मामलों को देखते हुए केरल और महाराष्ट्र की सीमा से लगे आठ जिलों में सप्ताहांत कर्फ्यू लगाया है। राज्य सरकार के आदेशानुसार राज्य भर में नियमित दैनिक कर्फ्यू (2100 से 0500 बजे तक) के साथ-साथ इन सीमावर्ती जिलों में वीकेंड कर्फ्यू भी लगाया गया है। केरल और महाराष्ट्र की सीमा से लगे कर्नाटक के इन जिलों में उत्तर के बेलागवी, बीदर, विजयपुरा और कलबुर्गी तथा दक्षिण के दक्षिण कन्नड़, कोडागु, मैसूर और चामराजनगर शामिल हैं। इन जिलों में सप्ताहांत कर्फ्यू के अंतर्गत शुक्रवार रात नौ बजे से लेकर सोमवार सुबह पांच बजे तक कोरोना प्रतिबंध लागू रहेंगे। इस दौरान सामाजिक एवं सांस्कृतिक समेत सभी तरह के समारोहों एवं सभाओं पर प्रतिबंध रहेगा।

उपराष्ट्रपति नायडू ने चमन लाल पर डाक टिकट जारी किया

नई दिल्ली ।

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने सरदार वल्लभ भाई पटेल कांफ्रेंस हॉल, 6, मौलाना आजाद रोड, नई दिल्ली में एक सार्वजनिक समारोह में चमन लाल% पर स्मृति डाक टिकट जारी किया। समारोह में केंद्रीय संचार, रेलवे एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव, संचार राज्यमंत्री देउसिंह चौहान और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस स्मृति डाक टिकट में प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता और संघ प्रचारक चमन लाल के जीवन और कार्यों को प्रमुख रूप से दर्शाया गया है। सियालकोट (अब पाकिस्तान में) में 25 मार्च, 1920 को जन्मे माननीय चमन लाल कम उम्र से ही लोगों के कल्याण के लिए काम करने के लिए उत्साहित थे। यद्यपि वह स्वर्ण पदक विजेता थे और उन्हें कई नौकरियों के प्रस् ताव भी मिले थे, लेकिन लेकिन उन्होंने भारत विभाजन के पीड़ित लोगों की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने के काम को चुना। अपनी लगन, जुनून और कड़ी मेहनत के बल पर उन्होंने विदेशों में बसे भारतीयों की मदद के लिए एक संस्थागत व्यवस्था की और भारत की विदेश नीति के विभिन्न रणनीतिक लक्ष्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उपराष्ट्रपति ने कहा कि माननीय चमन लाल सच्चे अर्थों में एक भारतीय संत थे, जिन्होंने हिस्सेदारी और देखभाल के दर्शन पर विश्वास किया और उनका अभ्यास किया। उन् होंने हमेशा राष्ट्र को सबसे पहले रखा और स्वयं को अंत में। उन्होंने कहा कि संघ का वैश्विक नेटवर्क बनाने की परियोजना को शुरू करने और उसे पूरा करने में उनकी अहम भूमिका थी और विदेश जाने वाले भारतीयों की सुविधा के लिए जिम्मेदार थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि डाक टिकट हमारे इतिहास के बारे में विशेष रूप से अगली पीढ़ी के नागरिकों के लिए प्रामाणिक जानकारी का एक उत्कृष्ट स्रोत है।

दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों में पढ़ाया जाएगा देशभक्ति का पाठ

नई दिल्ली: दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले प्रत्येक बच्चे के भीतर देशभक्ति और राष्ट्रीयता की भावना पैदा करने के लिए राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) की शासकीय निकाय ने शुक्रवार को देशभक्ति पाठ्यक्रम की रूपरेखा को अंगीकार कर लिया। देशभक्ति पाठ्यक्रम मौजूदा शैक्षणिक सत्र से दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों में लागू किया जाएगा। गौरतलब है कि यह देश की आजादी का 75वां वर्ष भी है। देशभक्ति पाठ्यक्रम समिति की सिफारिशों के आधार पर एससीईआरटी के निदेशक रजनीश कुमार सिंह द्वारा देशभक्ति पाठ्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई।दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा, ''यह जरूरी है कि हम अपने मूल्यों और कार्यों के बीच की खाई को कम करें और यह सुनिश्चित करें कि समानता, बंधुत्व और न्याय के संवैधानिक आदर्शों का पालन बच्चे अपने दैनिक जीवन में भी करें।''

मॉनसून सत्र के तीसरे हफ्ते राज्यसभा में 8 विधेयक पारित, हंगामे की वजह से 21 घंटे 36 मिनट बर्बाद

नेशनल डेस्क:

संसद के मौजूदा मॉनसून सत्र के तीसरे हफ्ते में राज्यसभा में आठ विधेयक पारित हुए। इसने सदन की प्रोडक्टिविटी बढ़ाने में मदद की। यह बढ़कर 24.2 फीसदी हो गई। राज्यसभा के अनुसंधान विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले हफ्ते (सत्र के दूसरे हफ्ते) प्रोडक्टिविटी 13.70 फीसदी थी। वहीं, सत्र के पहले हफ्ते उच्च सदन की उत्पादकता सबसे अधिक 32.20 फीसदी रही थी। राज्यसभा के अधिकारी ने बताया कि मॉनसून सत्र के शुरुआती तीन सप्ताह में राज्यसभा की कुल प्रोडक्टिविटी 22.60 फीसदी रही। 19 जुलाई को मॉनसून सत्र शुरू होने के बाद से राज्यसभा की कार्यवाही लगातार बाधित हो रही है। विपक्षी सदस्य पेगासस जासूसी कांड और किसानों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर हंगामा कर रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले सप्ताह 17 दलों के 68 सदस्यों ने विधेयकों को पारित करने से पहले चर्चा में हिस्सा लिया। विधेयकों पर हुई चर्चा में अन्नाद्रमुक, आम आदमी पार्टी, बीजू जनता दल (बीजद), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), द्रमुक, जनता दल यूनाइटेड (जदयू), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा), राष्ट्रीय जनता दल (राजद), आरपीआई, शिवसेना, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा), टीएमसी (मूपनार), तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) और वाईएसआर कांग्रेस के सदस्यों ने हिस्सा लिया। नामांकित सदस्यों और इन 17 दलों के कुल सदस्यों की संख्या राज्यसभा के मौजदा संख्याबल का 87 फीसदी है। अधिकारियों ने रेखांकित किया कि पेगासस विवाद और किसानों के मुद्दों पर चर्चा की मांग कर रही तृणमूल कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल के सदस्यों की संख्या सदन के संख्याबल के लिहाज से छह फीसदी से भी कम है। उन्होंने बताया कि सदन ने तीन घंटे और 25 मिनट इन विधेयकों को पारित करने में लिया। अधिकारियों ने बताया कि इस सप्ताह राज्यसभा की कार्रवाई के लिए निर्धारित कुल 28 घंटे 30 मिनट में एक घंटे 41 मिनट का समय प्रश्नकाल पर व्यय हुआ। इसमें 17 तारांकित सवाल पूछे गए। उन्होंने बताया कि इस हफ्ते हंगामे की वजह से 21 घंटे 36 मिनट का समय बर्बाद हुआ।

बाढ़ और बारिश की कठिन परिस्थिति में भारत सरकार और पूरा देश मध्यप्रदेश के साथ खड़ा है: पीएम मोदी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के लाभार्थियों से बातचीत की। योजना के बारे में अधिक जागरूकता पैदा करने के लिए राज्य सरकार द्वारा एक व्यापक अभियान चलाया जा रहा है, ताकि कोई पात्र व्यक्ति छूट ना जाये। राज्य 7 अगस्त, 2021 को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना दिवस के रूप में मना रहा है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के राज्यपाल और मुख्यमंत्री उपस्थित थे।

मध्य प्रदेश में लगभग 5 करोड़ लाभार्थियों को योजना का लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने मध्यप्रदेश में लोगों के जीवन और उनकी आजीविका को प्रभावित करने वाली बारिश और बाढ़ की स्थिति की चर्चा के साथ अपनी बात की शुरुआत की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मुश्किल की इस घड़ी में भारत सरकार और पूरा देश मध्य प्रदेश के साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री ने कोरोना महामारी को सदी में एक बार आने वाली आपदा बताते हुए, कहा कि पूरा देश इस चुनौती से लड़ने के लिए एकजुट है। उन्होंने इस बात को दोहराया कि इस संकट से निपटने के लिए भारत ने अपनी रणनीति में गरीबों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। पहले दिन से ही गरीबों व श्रमिकों के भोजन और रोजगार की चिंता की गई। न केवल 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को निःशुल्क राशन मिल रहा है, बल्कि 8 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को निःशुल्क गैस सिलेंडर भी मिला। 20 करोड़ से अधिक महिलाओं के जन-धन खातों में सीधे 30 हजार करोड़ रुपये की राशि भेजी गई।

इसी प्रकार, श्रमिकों और किसानों के खातों में हजारों करोड़ रुपये की राशि भेजी गई। उन्होंने 9 अगस्त को लगभग 10-11 करोड़ किसान परिवारों के बैंक खातों में हजारों करोड़ रुपये की राशि भेजे जाने के बारे में भी जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने टीके की 50 करोड़ खुराक देने की हाल में प्राप्त उपलब्धि का उल्लेख करते हुए, कहा कि भारत केवल एक सप्ताह में ही दुनिया के कई देशों के बराबर की जनसंख्या का टीकाकरण कर रहा है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर बनते नए भारत का यह नया सामर्थ्य है।

उन्होंने कहा कि यह टीका सुरक्षित और प्रभावी दोनों है। प्रधानमंत्री ने टीकाकरण में और तेजी लाने का आह्वान किया।

संपादकीय

देश का गर्व

यह भारतीय हॉकी का बेहतरीन दौर है। गुरुवार को पुरुष हॉकी टीम ने जहां 41 साल बाद ओलंपिक में पदक जीता, वहीं महिला टीम पहली बार चौथे स्थान तक पहुंची है। शुक्रवार को कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में महिला टीम हर तरह से जीत की हकदार थी, लेकिन खेलों में हार-जीत का क्रम बना रहता है। कांस्य पदक हाथ से निकलने का अफसोस तो हमेशा रहेगा, लेकिन इस सर्वोच्च प्रतियोगिता का जो कुल हासिल है, उस पर हमें जरूर गौर करना चाहिए। शायद यह पहला ओलंपिक है, जिसमें हमारे खिलाड़ी आसानी से हार मानने को तैयार नहीं हैं। पहले के ओलंपिक के ज्यादातर खेलों में शुरू में ही हार मानने का क्रम चालू हो जाता था। यह कदापि कम नहीं कि भारतीय महिला हॉकी टीम ओलंपिक के इतिहास में पहली बार मेडल जीतने से रह गई है। भारतीय महिलाओं ने तो एक समय जोरदार वापसी की और चार मिनट के अंदर ही तीन गोल दागकर 3-2 की बढ़त बना ली थी, लेकिन गौर करने की बात है कि यह बढ़त कायम नहीं रह पाई और ब्रिटेन की टीम 4-3 से जीत गई। यह कहा जा रहा है कि ब्रिटेन की टीम ने दूसरे हाफ में जीतने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया, तो भारतीय टीम ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी। जिस मोर्चे पर कमी रह गई, इस पर कोच और टीम प्रबंधन को अब काम करना चाहिए। इस ऊंचाई पर खेलने से जो अनुभव होते हैं, उससे भविष्य के लिए टीमें तैयार होती हैं। रानी रामपाल के नेतृत्व वाली इस शानदार टीम के एक-एक सदस्य को बधाई। इस टीम को हमेशा याद किया जाएगा। उसके संघर्ष, उसकी आलोचना, उसके अभाव के किस्से खूब सुने-सुनाए जाएंगे। टीम के कोच सोर्ड मारजेन ने बिल्कुल सही कहा है कि आम तौर पर जब भारतीय महिला टीम 0-2 से पीछे होती थी, तो हमेशा 0-3, 0-4 से पिछड़ती थी, लेकिन अब यह टीम लड़ती है और इस मैच में भी लड़ती रही। एक समय हमने मैच में वापसी की और हम एक गोल से आगे भी थे। अब कोच के शब्द हमेशा के लिए दर्ज हो गए हैं, 'सुनो, मैं तुम्हारे आंसू नहीं पोंछ सकता। उसके लिए कोई शब्द मदद नहीं करेगा। हमने पदक नहीं जीता, लेकिन मुझे लगता है कि हमने कुछ बड़ा हासिल किया है। यह देश को प्रेरणा दे रहा है और गौरवान्वित कर रहा है। मुझे लगता है, दुनिया ने एक नई भारतीय टीम देखी है और मुझे वास्तव में इस टीम पर बहुत गर्व है।' आमतौर पर हारने वाली टीम से हमारे नेता मुंह चुरा लेते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिला हॉकी टीम से बात की और करोड़ों भारतीयों का दिल जीतने के लिए बधाई दी और साथ ही, यह भी कहा कि आंसू बहाना बंद करें, आप पर देश को गर्व है। जीतने वालों को दुनिया सलाम करती है, पैसे की भी बारिश होती है, लेकिन भारतीय महिला हॉकी टीम भी ऐसी सौगातों की हकदार है। टीम की कई खिलाड़ी बेहद गरीब घरों से आती हैं, उन्हें वाजिब आर्थिक सहायता पाने का अधिकार है। आमतौर पर हम मौसमी ढंग से खिलाड़ियों की पृष्ठभूमि की चर्चा करते हैं और फिर सब कुछ भुला बैठते हैं, लेकिन अब यह नया दौर है, इसमें मीडिया और आम लोगों को भी खिलाड़ियों के हित में सजग रहना चाहिए। तभी हम अपने प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को देश का गौरव बढ़ाने की ओर प्रेरित कर पाएंगे।

'आज के ट्वीट

तकदीर

लिखने वाले अपनी तकदीर टूटी हुई कलम से भी लिख देते

-- विवेक बिन्द्रा

ताकि भविष्य भी सुनहरा हो हॉकी का

राजकुमार सिंह

भारतीय हॉकी के भविष्य से निराश हो चुके खेल प्रेमियों में टोक्यो ओलंपिक खेलों ने एक नयी आशा जगायी है। दशकों की बादशाहत के बाद अगर दशकों तक शर्मसार होना पड़े तो निराशा उसका स्वाभाविक परिणाम है। भारतीय पुरुष हॉकी के साथ ऐसा ही हुआ। कल्पना भी मुश्किल लगती है कि कोई एक टीम चार साल के अंतराल पर होने वाले ओलंपिक खेलों में लगातार छह स्वर्ण पदक जीते, मगर इसे हकीकत में बदलने का करिश्मा कर दिखाने वाला कोई और नहीं, भारत ही रहा। गुलाम भारत से स्वतंत्र भारत तक—हमारी पुरुष हॉकी टीम ने लगातार छह स्वर्ण पदक जीते। ओलंपिक में कुल स्वर्ण पदकों की बात करें तो आठ पदक जीतने का रिकॉर्ड भारत के नाम है। जिस देश की टीम ने गुलामी के दिनों में हॉकी में स्वर्णिम सफर की शुरुआत कर आजादी के बाद तक उसे शान से बरकरार रखा, उसे अगर पदक तो दूर ओलंपिक सेमीफाइनल में प्रवेश के लिए भी चार दशक इंतजार करना पड़े तो खेल की बदहाली और खिलाड़ियों की मनोदशा का अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है। जाहिर है, यह स्थिति अचानक नहीं हुई। पहले गुलाम और फिर नव स्वतंत्र देश भारत की बादशाहत से शर्मसार यूरोपीय देशों ने खेल मैदानों से लेकर नियमों तक में अपने अनुकूल परिवर्तन कर भारतीय हॉकी की बुनियाद हिलाने की साजिशें रचीं तो भारतीय हॉकी संघ पर काबिज मठाधीशों ने भी खेल की जड़ें खोदने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। जिन्होंने खुद कभी हॉकी से कोई कमाल नहीं दिखाया, वे हॉकी खिलाड़ियों का भविष्य बनाते-बिगाड़ते रहे। व्यक्तिगत पसंद-नापसंद, जी-हुजूरी खेल प्रतिभा और प्रदर्शन पर भारी पड़ने लगी। क्या आप विश्वास कर सकते हैं कि एक-47 के साये में भारतीय हॉकी संघ के अध्यक्ष का चुनाव हुआ होगा? जी हां, ऐसा ही हुआ था, जब एक राज्य के पुलिस प्रमुख ने हर हाल में हॉकी संघ का अध्यक्ष बनने की ठान ली थी। चुनाव दूसरे राज्य में हो रहा था, पर नियम-कानून को धता बता कर यह स्वयंभू खेल प्रेमी पुलिस अफसर वहां भी मतदाताओं को एके-47 से आतंकित करने में सफल रहा, और अंततः अध्यक्ष बनने में भी। जब खेल संघ इस हद तक राजनीति-मठाधीशी के अड्डे बन जायें, तब तो वही होना था, जो भारतीय हॉकी के साथ हुआ। बेशक जीत, जीत ही होती है। इस लिहाज से 1980 के मॉस्को ओलंपिक खेलों में वासुदेव भास्करन के नेतृत्व वाली भारतीय हॉकी टीम द्वारा जीते गये स्वर्ण पदक को कम नहीं आंका जा सकता, पर इस सच से भी तो मुंह नहीं चुराया जा सकता कि अमेरिका और उसके मित्र देशों द्वारा बहिष्कार के चलते उन खेलों में सिर्फ छह पुरुष हॉकी टीमों ने ही भाग लिया था। इसमें दो राय नहीं कि भारतीय टीम ने अपने हर मैच में शानदार हॉकी खेली और पूल में टॉप पर रहने वाली स्पेन की मजबूत टीम को फाइनल में 4-3 से हरा कर अपना रिकॉर्ड आठवां स्वर्ण पदक जीता था। 16 साल बाद वह स्वर्ण पदक जिताने में सुरिंदर सिंह सोढी की निर्णायक भूमिका रही, जिन्होंने उस ओलंपिक में 15 गोल दागे थे, जो किसी भारतीय खिलाड़ी द्वारा एक ओलंपिक में किये गये सर्वाधिक गोल हैं। इससे पहले 14 गोल का रिकॉर्ड मेजर ध्यानचंद के नाम था, जो उन्होंने अपने और देश के पहले ही ओलंपिक (एम्सटर्डम) में दागे थे। हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले ध्यान चंद कितने आला दर्जे के खिलाड़ी थे, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अपने आखिरी ओलंपिक में भी 13 तथा कुल तीन ओलंपिक खेलों में 39 गोल किये थे। अपने आखिरी ओलंपिक (बर्लिन) में ध्यान चंद भारतीय टीम के कप्तान भी थे और फाइनल में जर्मनी को 8-1 से हरा कर स्वर्ण पदक जीता था। बताते हैं कि ध्यान चंद के खेल से प्रभावित हिटलर ने उन्हें खाने पर आमंत्रित किया और जर्मन सेना में कर्नल बनाने का प्रलोभन देते हुए अपने देश की ओर से खेलने का प्रस्ताव दिया, जिसे उन्होंने यह कह कर ठुकरा दिया कि भारत मेरा वतन है, मैंने उसका नमक खाया है, मैं उसी के लिए खेलूंगा। यह वह स्वर्णिम दौर था, जब भारत खुद हॉकी की पहचान था और विपक्षी टीमें उसके विरुद्ध गोल करने तक के लिए तरस जाती थीं। हॉकी के उसी जादूगर के देश में, खासकर पिछले चार दशकों में इस खेल का जैसा पतन हुआ, उसकी मिसाल मिलना मुश्किल है, पर उसके लिए खिलाड़ियों से ज्यादा हॉकी संघ की मठाधीशी और उसमें निहित राजनीति जिम्मेदार रही है। ऐसा नहीं कि इस बीच भारत में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी नहीं हुए। कमोबेश इसी अवधि में ध्यान चंद के बेटे अशोक कुमार खेले, जफर इकबाल खेले, मोहम्मद शाहिद खेले, जगबीर सिंह खेले। यह फेहरिस्त लंबी बन सकती है, पर मुद्दा यह कि मठाधीशों के एजेंडा पर हॉकी खेल रहा ही नहीं। चार दशक के पतन के बाद अब टोक्यो ओलंपिक में जर्मनी को 5-4 से हरा कर कांस्य पदक जीत भारतीय टीम ने हॉकी के पुनरुत्थान की आस जगायी तो इसे ऐतिहासिक अवसर से कम नहीं माना जा सकता। इसलिए भी कि टोक्यो में ओलंपिक भारतीय हॉकी के लिए अतीत में भी शुभ रहे हैं। ध्यान रहे कि 1960 के रोम ओलंपिक फाइनल में पाकिस्तान ने भारत का लगातार सातवां स्वर्ण पदक जीतने का सपना तोड़ दिया था, जिसका बदला चार साल बाद टोक्यो में हुए ओलंपिक में ही लिया जा सका था। बेशक उसके बाद 1968 के मैक्सिको और 1972 के म्यूनिख ओलंपिक भी आये, जब भारत को कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा। इस बार चार दशक के लंबे अंतराल के बाद टोक्यो में कांस्य पदक मिला है, जो निश्चय ही हॉकी के बेहतर भविष्य की उम्मीद जगाता है। टोक्यो ओलंपिक पुरुष टीम को मिले कांस्य के अलावा भारतीय महिला हॉकी टीम के प्रदर्शन के लिए भी यादगार रहेगा। बेशक हमारी महिला टीम ब्रिटेन से कड़े मुकाबले में कांस्य जीतने से चूक गयी, लेकिन कमजोर शुरुआत के बावजूद जीवट की बदौलत पहली बार सेमीफाइनल में पहुंच कर उसने भी उम्मीद जगायी है कि पेरिस में होने वाले अगले ओलंपिक खेलों से खाली हाथ तो नहीं लौटेगी। पिछले रियो ओलंपिक में 12 टीमों में 12वें स्थान पर रही भारतीय महिला हॉकी टीम के टोक्यो में चमत्कारिक प्रदर्शन का उल्लेखनीय पक्ष यह भी है कि उसमें नौ बेटियां हरियाणा की हैं। हरियाणा की पहचान महिला हॉकी की नर्सरी की रही है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इन सभी को 50-50 लाख रुपये पुरस्कार की घोषणा कर उनकी प्रतिभा-क्षमता का सम्मान ही किया है। पंजाब सरकार ने पुरुष हॉकी टीम के आठ सदस्यों को एक-एक करोड़ रुपये पुरस्कार का ऐलान किया है। निश्चय ही बेहतर प्रदर्शन की पहचान और मान-सम्मान से और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में लगातार शानदार प्रदर्शन के लिए सुनियोजित नीति और समर्पित प्रयास अनिवार्य हैं। पदक जीतने पर पुरस्कार से भी बेहतर परिणामदायक हो सकता है खेल और खिलाड़ियों की प्रतिभा पहचानने-परखने-निखारने का व्यापक आधारभूत ढांचा और सुविधाएं। इस लिहाज से ओडिशा सरकार की प्रशंसा की जानी चाहिए, जो 2018 में सहारा इंडिया द्वारा पीछे हट जाने के बाद से पुरुष और महिला, दोनों हॉकी टीमों की प्रायोजक बनी हुई है। अगर भारत को अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में आबादी नहीं, अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप भी प्रदर्शन करना है तो खेल और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करानी पड़ेंगी। राज्य सरकारें एक-एक खेल की प्रायोजक बन कर इस दिशा में शुरुआत करें और बड़े उद्योग समूहों को भी प्रेरित किया जाये कि वे क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों को प्रायोजित करें।

ज्ञान गंगा

नवसृजन की चेतना

श्रीराम शर्मा आचार्य

नवसृजन की चेतना, श्रीराम शर्मा आचार्य, धर्म, धार्मिक लेख छोटी सामाजिक, स्थानीय एवं व्यक्तिगत समस्याओं के उपाय-उपचार छोटे रूप में भी सोचे और खोजे जा सकते हैं, पर जब समस्या बड़ी हो, तो उनसे निपटने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारियां करनी होती हैं। नल का पानी कुछ लोगों की आवश्यकता पूरी कर सकता है, किंतु सूखाग्रस्त क्षेत्रों का स्थाई समाधान बड़े उपायों से ही बन पड़ता है। भगीरथ ने यही किया था। वे हिमालय से जलराशि को गंगा के रूप में विशाल क्षेत्र में दौड़ने के लिए कटिबद्ध हो गया। फलस्वरूप उसके प्रभाव में आने वाले क्षेत्र समुचित जल व्यवस्था बन जाने से सुरम्य और समृद्धिशाली बन गए। तथाकथित बुद्धिमान और शक्तिशाली इन दिनों की समस्याओं और आवश्यकताओं को तो समझते हैं, पर उपाय खोजते समय यह मान बैठते हैं कि यह संसार मात्र पदार्थ से सजी पंसारी की दुकान भर है। इसकी कुछ चीजें इधर की उधर कर देने और उपयुक्त को उस स्थान पर जमा देने भर से काम चल जाएगा। समूचे प्रयास इन दिनों इसी दृष्टि से बन और चल रहे हैं। वायु प्रदूषण दूर करने के लिए कोई ऐसी नई गैस खोजने का प्रयत्न हो रहा है, जो हवा के भरते जा रहे विष को चूस लिया करे। खाद्यान्न की पूर्ति के लिए खादों के ऐसे भीमकाय कारखाने खुल रहे हैं, जो एक के दस पौधे उगा दिया करें। पर मूल कारण की ओर ध्यान न जाने से अभाव, असंतोष एवं विग्रह किस प्रकार निरस्त होगा, इसे सोचने की न जाने क्यों किसी को फुरसत नहीं है? चोट की मरहम पट्टी तो की जा सकती है, पर समस्त रक्त में फैले हुए रक्त कैंसर को मरहम पट्टी से कैसे ठीक किया जाए? एक दिन तो कोई किसी को मुफ्त में भी रोटी खिला सकता है, पर आए दिन की आवश्यकताएं तो हर किसी को अपने बलबूते ही हल करनी पड़ेंगी। व्यक्ति के सामने विभिन्न स्तर की असंख्य समस्याएं मुंह खोले खड़ी हैं। उन सबसे निपटने के लिए अपनी ही सूझबूझ को इस स्तर तक विकसित करना चाहिए, जिस प्रकार आंगन का कूड़ा रोज साफ करते रहने की तरह आवश्यक समाधानों को भी सोचा और अपनाया जा सके। वस्तुतः मनुष्य का चिंतन, चरित्र और व्यवहार बुरी तरह गड़बड़ा गया है। पनाला हुए व्यक्ति द्वारा की गई तोड़-फोड़ की मरम्मत तो होनी चाहिए, पर साथ ही उस उन्माद की रोकथाम भी होनी चाहिए, जिससे भविष्य में भी वैसी ही उदंडता करते रहने की आदत अपनाई है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

रवि दहिया: दृढ़ इरादों ने बनाया ओलम्पिक विजेता

- योगेश कुमार गोयल

5 अगस्त का दिन टोक्यो के 'खेलों के महाकुंभ' में भारत के लिए ऐतिहासिक रहा। दरअसल इस दिन न केवल भारतीय हॉकी टीम ने जर्मनी को 5-4 से हराकर ओलम्पिक में भारत का 41 वर्षों का सूखा खत्म कर कांस्य पदक जीता, वहीं शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय पहलवान रवि कुमार दहिया रजत पदक जीतने में सफल रहे। हालांकि भारतीय पहलवानों दीपक पूनिया, विनेश फोगाट और अंशु मलिक को निराशा हाथ लगी लेकिन खेलों के इस महाकुंभ में अभी कुछ ऐसी स्पर्धाएं हैं, जिनमें भारत को अपने कुछ और खिलाड़ियों से पदक की उम्मीद है। वैसे रवि को ओलम्पिक के फाइनल में स्वर्ण पदक जीतने की पूरी उम्मीद थी लेकिन 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग के फाइनल में 2018 और 2019 के विश्व चैम्पियनशिप रह चुके रूस ओलम्पिक समिति के पहलवान जावुर युगुऐव से 7-4 से हारने के बाद उनका यह सपना चकनाचूर हो गया। अभीतक कुश्ती में कोई भी भारतीय पहलवान स्वर्ण पदक जीतने में सफल नहीं हुआ है और इस बार रवि इसी उम्मीद के साथ टोक्यो गए थे। रजत जीतने के बाद उन्होंने कहा भी है कि वह गोल्ड मेडल की उम्मीद से टोक्यो आए थे और रजत से संतुष्ट नहीं हैं। वैसे ओलम्पिक में व्यक्तिगत स्पर्धा में आजतक केवल अभिनव बिंद्रा ही ऐसे खिलाड़ी हैं, जो स्वर्ण पदक जीत सके हैं। उन्होंने 2008 के बीजिंग ओलम्पिक में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में भारत की झोली में इतनी बड़ी जीत डाली थी। हालांकि ओलम्पिक के रेसलिंग मुकाबलों में रवि का रजत पदक भी बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि ओलम्पिक खेलों के इतिहास में पदक जीतने वाले वे पांचवें पहलवान हैं और रेसलिंग में भारत का केवल छठा पदक है। पहलवान सुशील कुमार ने ओलम्पिक में लगातार दो बार पदक जीते थे। भारत को सबसे पहले 1952 में हेलसिंकी ओलम्पिक में पहलवान केडी जाधव ने कांस्य पदक दिलाया था। उसके बाद रेसलिंग में पदक के लिए 56 वर्षों का लंबा इंतजार करना पड़ा था। उस लंबे सूखे को 2008 में सुशील कुमार ने बीजिंग ओलम्पिक में कांस्य पदक जीतकर खत्म किया था। उसके बाद 2012 के लंदन ओलम्पिक में दो भारतीय पहलवानों ने जीत का परचम लहराया। सुशील कुमार रजत और योगेश्वर दत्त कांस्य पदक जीतने में सफल रहे। 2016 के रियो ओलम्पिक में साक्षी मलिक ने कांस्य पदक हासिल किया था। अगर टोक्यो ओलम्पिक की बात करें तो रवि से पहले भारोत्तोलन में मीराबाई चानू, बैडमिंटन में पीवी सिंधु, मुक्केबाजी में लवलीना बोरगोहेन और भारतीय हॉकी टीम भारत के लिए पदक जीत चुके हैं। जहां तक 23 वर्षीय भारतीय पहलवान रवि कुमार दहिया के ओलम्पिक में प्रदर्शन की बात है, सुशील कुमार के बाद वह ओलम्पिक में रजत पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय पहलवान बन गए हैं। ओलम्पिक में रवि ने पहले दौर में कोलम्बिया के टिगरेरोस उरबानो ऑस्कर एडवर्ड को 13-2 से हराकर शानदार शुरुआत की थी और 4 अगस्त को अपने ओलम्पिक अभियान की मजबूत शुरुआत करते हुए क्वार्टर फाइनल में बुल्गारिया के जॉर्डी वेलेंटिनोव वेंगेलोव को तकनीकी दक्षता के आधार पर 14-4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। 4 अगस्त को रवि ने पुरुषों के 57 किलोग्राम भार वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में कजाकिस्तान के नूरीस्लाम सानायेव को विक्ट्री बाई फॉल के जरिये पटखनी देते हुए रजत पदक पक्का कर लिया था। सेमीफाइनल मुकाबले में जब रवि ने मैच के आखिरी मिनट में कजाक पहलवान को अपनी मजबूत भुजाओं में जकड़ लिया था, तब उसने रवि की पकड़ से छूटने के लिए खेल भावना के विपरीत उनकी बांह पर दांतों से काटना शुरू कर दिया था लेकिन रवि ने अपने दबंग इरादों का परिचय देते हुए अपनी मजबूत पकड़ ढीली नहीं होने दी और उसे चित करते हुए मुकाबला अपने नाम किया था। 12 दिसम्बर 1997 को हरियाणा के सोनीपत जिले के नाहरी गांव में जन्मे रवि कुमार दहिया ने केवल छह वर्ष की आयु में गांव के हंसराज ब्रह्मचारी अखाड़े में कुश्ती शुरू कर दी थी। दरअसल यह गांव पहलवानों का गांव माना जाता है, जिसके बारे में कहा जाता है कि यहां का लगभग प्रत्येक बच्चा कुश्ती में अपने हाथ आजमाता है। कुछ समय बाद वे उत्तरी दिल्ली के उस छत्रसाल स्टेडियम में चले गए, जहां से दो ओलम्पिक पदक विजेता सुशील कुमार और योगेश्वर दत्त निकले हैं। वहां 1982 के एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता रहे सतपाल सिंह ने उन्हें दस वर्ष की आयु में ही ट्रेनिंग देनी शुरू कर दी थी। रवि के पिता राकेश एक भूमिहीन किसान थे, जो बटाई की जमीन पर खेती किया करते थे। उनकी दिली तमन्ना थी कि उनका बेटा पूरी दुनिया में देश का नाम रोशन करे और अपनी इसी ख्वाहिश को पूरा करने के लिए उन्होंने आर्थिक संकट के बावजूद बेटे की ट्रेनिंग में कोई कमी नहीं आने दी। वह प्रतिदिन बेटे तक फल और दूध पहुंचाने के लिए नाहरी गांव से 40 किलोमीटर दूर छत्रसाल स्टेडियम तक जाया करते थे। बहरहाल, दो बार के एशियन चैम्पियन रह चुके रवि ने जिस अंदाज में कुछ दिग्गज पहलवानों को हराते हुए टोक्यो ओलम्पिक के लिए क्वालीफाई किया था और कजाकिस्तान के नूर सुल्तान में अपनी पहली ही 2019 विश्व रेसलिंग चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतने में सफल हुए थे, उसे देखते हुए उनसे ओलम्पिक में श्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीदें काफी बढ़ गई थी। टोक्यो ओलम्पिक में वह भले ही स्वर्ण पदक जीतने में सफल नहीं हुए लेकिन उन्होंने भारत को अपने दमदार प्रदर्शन से रजत जीतकर निराश नहीं किया। 2019 में कजाकिस्तान के नूर सुल्तान में हुई विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जापान के युकी ताकाहाशी को 6-1 से मात देते हुए सेमीफाइनल में पहुंचकर रवि ने टोक्यो ओलम्पिक के लिए क्वालिफाई किया था और सेमीफाइनल में ईरान के रेजा अत्री नागाहरची को हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया था। विश्व चैम्पियनशिप में 57 किलोग्राम वर्ग में कई शीर्ष पहलवानों को हराकर रवि ने साबित कर दिया था कि उनमें कितना दमखम है। वह एशियन चैम्पियनशिप में दो बार स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। 2015 में उन्होंने 55 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में सल्वाडोर डी बाहिया में विश्व जूनियर कुश्ती चैम्पियनशिप में रजत पदक भी जीता था। 2017 में लगी चोट के बाद वह करीब एक साल तक कुश्ती से दूर रहे थे और उसके बाद 2018 में बुखारेस्ट में विश्व अंडर-23 कुश्ती चैम्पियनशिप में 57 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीतकर धमाकेदार वापसी करने में सफल हुए थे। उस चैम्पियनशिप में वह भारत का एकमात्र पदक था। नई दिल्ली में 2020 की एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप और अलमाटी में 2021 की एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप में रवि ने स्वर्ण पदक जीता।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

तोक्यो खेलों की लागत 15.4 बिलियन डॉलर

तोक्यो। जापान के कई सरकारी आडिट के अनुसार तोक्यो खेलों की लागत आधिकारिक आंकड़ों से कहीं अधिक लगभग दुगुनी है। तोक्यो ओलंपिक की आधिकारिक लागत 15.4 बिलियन डॉलर बताई जा रही है। आक्सफोर्ड की एक यूनिवर्सिटी के अनुसार जापान में 300 बिस्तर के एक अस्पताल की लागत साढे पांच करोड़ डॉलर है यानी इसके पैसों से ऐसे 300 अस्पताल बन सकते थे। वहीं एक प्राथमिक स्कूल करीब डेढ करोड़ डॉलर में बन सकता है यानी 1200 स्कूल बनाये जा सकते थे। एक बोइंग 747 की कीमत करीब 40 करोड़ डॉलर है यानी 38 जंबो जेट खरीदे जा सकते थे। आक्सफोर्ड के एक लेखक ने कहा कि आईओसी और मेजबान शहर लागत पर नजर नहीं रखते हैं क्योंकि लागत हमेशा बढती है जिससे आईओसी और मेजबान शहर को शर्मिंदगी उठानी पड़ती है। तोक्यो ओलंपिक की लागत कोरोना महामारी के कारण बढी। पहले खेल एक साल के लिए स्थगित हुए जिससे लागत में 2.8 बिलियन डॉलर इजाफा हुआ। इसके अलावा दर्शकों के प्रवेश पर रोक से करीब 80 करोड़ डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा।

सीईएसएल ने एक लाख इलेक्ट्रिक तिपहिया खरीदने निविदा जारी की

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड (सीईएसएल) ने बिजली से चलने वाले एक लाख तिपहिया वाहन खरीदने के लिए निविदा जारी की है। एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड की सहायक कंपनी सीईएसएल ने कहा कि उसने तिपहिया वाहनों की खरीद के लिए प्रस्ताव जारी किया है। कंपनी ने बताया कि उसने तिपहिया वाहनों की अलग-अलग श्रेणियों की खरीद के लिए मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) से निविदाएं मंगाई हैं। इसमें कचरा निपटान, माल ढुलाई लोडर, भोजन और वैक्सीन परिवहन और यात्री ऑटो जैसे तिपहिया वाहन शामिल हैं। सीईएसएल इन वाहनों को उन कंपनियों को पट्टे पर देगी, जो उससे सेवाएं लेना चाहती हैं। साथ ही कंपनी इन तिपहिया वाहनों की सीधी खरीद में रुचि रखने वाली किसी भी कंपनी को बिक्री के लिए डिजिटल मंच के जरिये उपलब्ध कराएगी। सीईएसएल के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि सीईएसएल का लक्ष्य सामर्थ्य और पहुंच पर ध्यान केंद्रित करके भारत में परिवहन प्रणाली के बड़े पैमाने पर परिवर्तन को उत्प्रेरित करना है। हम दोपहिया, तिपहिया, चार पहिया वाहनों समेत इलेक्ट्रिक बसों और उनसे जुड़े चार्जिंग ढांचे पर काम कर रहे हैं।

करोनारोधी टीके कॉर्बेवैक्स की प्रगति पर बायोलॉजिकल-ई की प्रबंध निदेशक के साथ मंडाविया की चर्चा

नई दिल्ली। कोरोनारोधी टीके कॉर्बेवैक्स की प्रगति को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया की चर्चा बायोलॉजिकल-ई की प्रबंध निदेशक महिमा डाल्टा के साथ हुई। केंद्रीय मंत्री ने गुरुवार को स्पूतनिक वी वैक्सीन के उत्पादन और आपूर्ति को लेकर डॉ. रेड्डी लेबोटरीज के चेयरमैन सतीश रेड्डी के साथ बैठक की थी। मंडाविया ने ट्वीट में कहा, 'बायोलॉजिकल-ई की प्रबंध निदेशक महिमा डाल्टा के साथ मुलाकात की। उन्होंने कॉर्बेवैक्स वैक्सीन की प्रगति के बारे में जानकारी दी। मैंने उन्हें वैक्सीन के लिए सरकार की तरफ से सभी तरह की सहायता का आश्वासन भी दिया।' इससे पहले जून में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हैदराबाद में बायोलॉजिकल-ई के साथ कोविड-19 वैक्सीन की 30 करोड़ खुराक को आरक्षित करने की व्यवस्था को अंतिम रूप दिया था। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'वैक्सीन की इन खुराक को अगस्त-दिसंबर 2021 से बायोलॉजिकल-ई द्वारा बनाया जाएगा और आपूर्ति के लिए भंडारित भी किया जाएगा। इसके लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय कंपनी को 1,500 करोड़ रुपए की अग्रिम राशि का भुगतान भी करेगा।'

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 9 अरब डॉलर से अधिक बढ़ा

मुंबई।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 30 जुलाई को समाप्त सप्ताह के दौरान 9.427 अरब डॉलर बढ़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साप्ताहिक सांख्यिकीय पूरक के अनुसार, 23 जुलाई को समाप्त सप्ताह के लिए रिपोर्ट किए गए 611.149 अरब डॉलर से भंडार घटकर 620.576 अरब डॉलर हो गया। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा संपत्ति (एफसीए), स्वर्ण भंडार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ देश की आरक्षित स्थिति शामिल है। साप्ताहिक आधार पर, विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक एफसीए 8.596 अरब डॉलर बढ़कर 576.224 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह, देश के सोने के भंडार का मूल्य 760 मिलियन डॉलर बढ़कर 37.644 अरब डॉलर हो गया। एसडीआर मूल्य 60 लाख डॉलर बढ़कर 1.552 अरब डॉलर हो गया। इसके अलावा, आईएमएफ के साथ देश की आरक्षित स्थिति 6.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 5.156 अरब डॉलर हो गई।

एचडीएफसी बैंक की ऑनलाइन सेवाएं तीन दिन बंद रहेंगी

नई दिल्ली।

देश के प्रमुख निजी बैंक एडीएफसी के ग्राहकों के लिए जरूरी खबर है। बैंक के मुताबिक उसकी कुछ ऑनलाइन सेवाएं 7 अगस्त शाम से लेकर 8 अगस्त की सुबह तक बंद रहेंगी। इसके अलावा बैंक की कुछ सेवाएं 11 अगस्त बुधवार को भी बंद रहेंगी। बैंक ने कहा कि शेड्यूल्ड मेंटेनेंस के कारण उसकी कुछ सेवाएं इस दौरान बंद रहेंगी। इस वीकेंड पर उसकी कुछ सर्विसेस पर काम चल रहा है, इस वजह से ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। बैंक के मुताबिक नेटबैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग ऐप पर व्यू/डाउनलोड क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट सर्विस 7 अगस्त शाम 6 बजे से 8 अगस्त रात 10 बजे तक बंद रहेगी।

ऐप्पल कंपनी ने बदल डाला ऑनलाइन स्टोर का पूरा लुक

-आने वाले महीनों में कर रही है मेगा लॉन्च की तैयारी

नई दिल्ली ।

हाल ही में ऐप्पल ने अपने ऑनलाइन स्टोर को टॉप-लेवल नेविगेशन पर एक डेडिकेटेड टैब के साथ एक नया रूप दिया है, क्योंकि तकनीकी दिग्गज आने वाले महीनों में मेगा लॉन्च की तैयारी कर रहा है। ऑनलाइन स्टोर, जो लगभग एक घंटे तक बंद रहा, एक नए रूप और एहसास में फिर से शुरू हुआ। ऑनलाइन स्टोर का टॉप सेक्शन मैक, आईफोन, एयरपॉड्स और वॉच जैसे ऐप्पल प्रोडक्ट्स के लिए इमेज और लिंक प्रदान करता है। मेन स्टोर पेज पर, क्या नया है सपोर्ट पेजों के लिंक और मोर के लिए सेक्शन भी हैं। री-डिज़ाइन की गई वेबसाइट एक नया डिज़ाइन प्रदान करती है जो कार्ड से भरा है, आईओएस के लिए ऐप्पल के स्टोर ऐप की याद दिलाता है, और उपयोगकर्ताओं के लिए नीट व्हाइट स्पेस और बेहतर ब्राउज़िंग अनुभव प्रदान करता है। ऐप्पल ऑनलाइन स्टोर का नया स्वरूप ऐसे समय में आया है जब कंपनी ने इस साल की दूसरी तिमाही में भारत में 140 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की। वैश्विक स्तर पर, आईफोन रेवेन्यू ने 39.6 बिलियन का जून तिमाही का रिकॉर्ड बनाया, जो साल-दर-साल 50 प्रतिशत बढ़ रहा था और अपनी अपेक्षाओं से अधिक था। आईफोन 13 प्रो और आईफोन13 प्रो मैक्स को एलटीपीओ डिस्प्ले का बेनेफिट मिलने की उम्मीद है, जो न केवल उपयोगकर्ताओं को प्रोमोशन 120 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ बेहतर देखने का अनुभव प्रदान करेगा, बल्कि ऑलवेज ऑन-फंक्शनलिटी का सपोर्ट कर सकता है। ऐप्पल आईफोन13 लॉन्च करने के लिए तैयार है, जिसके आईफोन12 की वर्तमान लिमिटेशन की तुलना में 25डब्ल्यू पावर एडॉप्टर के साथ फास्ट-चार्जिंग स्पीड का सपोर्ट करने की संभावना है, जो केवल 20डब्ल्यू तक की फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट करता है।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा)

सकारात्मक रुझानों से दो सप्ताह की गिरावट से उबर गया बाजार

- सेंसेक्स 215.12 अंक गिरकर 54,277.72 अंक पर बंद

- निफ्टी 56.40 अंक टूटकर 16,238.20 अंक पर बंद

मुंबई ।

शेयर बाजार ने सप्ताह के आ खिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को नए रिकॉर्ड उच्च स्तर को छुआ और सकारात्मक रुझानों के कारण दो हफ्ते की गिरावट से उबर गया। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी तथा एसबीआई के शेयरों में गिरावट से भी बाजार की धारणा प्रभावित हुई। वैसे तो बाजार में सप्ताह भर बढ़त बनी रही। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स 333.69 अंक बढ़कर 52,920.53 पर खुला और 363.79 अंकों की तेजी के साथ 52,950.63 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं व्यापक एनएसई निफ्टी 101.65 अंक बढ़कर 15,864.70 पर खुला और 122.10 अंकों की बढ़त के साथ 15,885.15 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 244.77 अंक बढ़कर 53,195.40 पर खुला और 872.73 अंकों (1.65 फीसदी) की तेजी के साथ 53,823.36 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 56.85 अंक बढ़कर 15,942 पर खुला और 245.60 अंकों की बढ़त के साथ 16,130.75 के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 241.91 अंक ऊपर 54065.27 के स्तर पर खुला और 54,465.91 पर पहुंचा और फिर 546.41 अंक यानी 1.02 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 54,369.77 पर बंद हुआ। निफ्टी 103.10 अंकों की बढ़त के साथ 16233.90 के स्तर पर खुला और 128.05 अंक या 0.79 प्रतिशत बढ़कर 16,246.85 के अपने सर्वकालीन उच्च स्तर पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स मामूली बढ़त के बाद 54,576.64 पर खुला और 123.07 अंक की बढ़त के साथ 54,492.84 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 8.95 अंक गिरकर 16,249.85 पर खुला और 35.80 अंक मजबूत होकर नये रिकार्ड स्तर 16,294.60 अंक पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 54.98 अंक बढ़कर 54,547.82 पर खुला और 215.12 अंक या 0.39 प्रतिशत गिरकर 54,277.72 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 17.50 अंक बढ़कर 16,312.10 पर खुला और 56.40 अंक या 0.35 प्रतिशत टूटकर 16,238.20 अंक पर बंद हुआ।

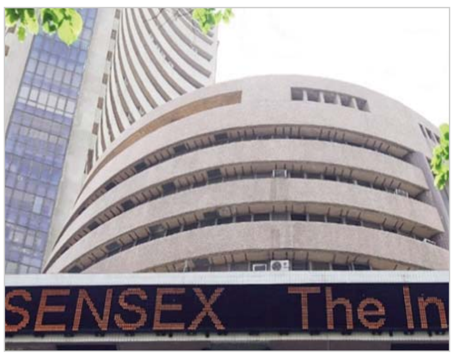

मध्य पूर्व और अफ्रीका फोन बाजार में सैमसंग की उपस्थिति दूसरी तिमाही में गिरावट

सियोल।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने साल की दूसरी तिमाही में मध्य पूर्व और अफ्रीका (एमईए) स्मार्टफोन बाजारों में गिरावट देखी गई है। क्योंकि यह चीनी ब्रांडों ने अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है। उद्योग ट्रैकर काउंटरपॉइंट रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरियाई टेक दिग्गज अप्रैल-जून की अवधि में 16 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ अग्रणी स्मार्टफोन विक्रेता था, लेकिन एक साल पहले इसकी बाजार हिस्सेदारी 20 प्रतिशत से कम हो गई। काउंटरपॉइंट रिसर्च के एक वरिष्ठ शोध विश्लेषक यांग वांग ने कहा, कंपनी ने साल की शुरूआत में बाजार खर्च को बढ़ावा दिया, जिससे पहली तिमाही में अच्छा प्रदर्शन हुआ। हालांकि, कोविड-19 के बाद वियतनाम में उत्पादन में व्यवधान के कारण दूसरी तिमाही में बिक्री में गिरावट आई। हमें तीसरी तिमाही की शुरूआत में और कठिनाई की उम्मीद है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग के बाद चीनी ब्रांडों का स्थान है, जिन्होंने विदेश मंत्रालय के क्षेत्र में अपने बाजार हिस्सेदारी को काफी बढ़ा दिया है। ट्रांशन होल्डिंग के तहत एक फोन निमार्ता, टेन्को फोन, दूसरी तिमाही में 13 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी के साथ उपविजेता रही, जो एक साल पहले 7 प्रतिशत थी, उसके बाद शाओमी की बाजार हिस्सेदारी 3 प्रतिशत से बढ़कर 11 प्रतिशत हो गई है। ट्रांशन की दोनों सहायक कंपनियां, आईटेल और इंफीनिक्स, क्रमशः 10 प्रतिशत और 9 प्रतिशत के बाजार शेयरों के साथ चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं। काउंटरपॉइंट रिसर्च के आंकड़ों से पता चलता है कि दूसरी तिमाही में विदेश मंत्रालय के स्मार्टफोन बाजार में साल-दर-साल 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई, हालांकि यह एक तिमाही से 3 प्रतिशत कम है। मध्य पूर्व में स्मार्टफोन की बिक्री तिमाही आधार पर 0.8 प्रतिशत घटी लेकिन एक साल पहले की तुलना में 34 प्रतिशत बढ़ी। अफ्रीका में स्मार्टफोन की बिक्री में तिमाही आधार पर 3.9 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, लेकिन दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। काउंटरपॉइंट रिसर्च ने कहा, बाकी साल को देखते हुए, हम उम्मीद करते हैं कि उपभोक्ता मांग मजबूत बनी रहेगी, खासकर कुछ खाड़ी सहयोग परिषद देशों में, जहां टीकाकरण की प्रगति दुनिया में अग्रणी है।

ईंधन की कीमतों में ठहराव बरकरार

नई दिल्ली।

तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच शनिवार को लगातार 21वें दिन ईंधन कीमतों में कोई संशोधन नहीं किया है। तेल विपणन कंपनियों द्वारा कोई मूल्य वृद्धि नहीं किए जाने से राष्ट्रीय राजधानी में पेट्रोल 101.84 रुपये प्रति लीटर पर, जबकि शनिवार को डीजल 89.87 रुपये प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रहा। ईंधन की पंप कीमत 18 जुलाई से स्थिर है। मुंबई शहर में जहां पेट्रोल की कीमतें 29 मई को पहली बार 100 रुपये के पार हो गई हैं, वहां ईंधन की कीमत 107.83 रुपये प्रति लीटर है। शहर में डीजल की कीमत भी 97.45 रुपये है, जो महानगरों में सबसे ज्यादा है। सभी महानगरों में पेट्रोल की कीमतें अब 100 रुपये प्रति लीटर के आंकड़े को पार कर गई हैं। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 102.49 रुपये प्रति लीटर और कोलकाता में 101.08 रुपये प्रति लीटर है। डीजल भी दोनों शहरों में क्रमशः 94.39 रुपये और 93.02 रुपये प्रति लीटर है। चालू वित्त वर्ष में ईंधन की कीमतों में 41 दिनों की बढ़ोतरी के बाद कीमतों में लंबा ठहराव आया है।

सेबी ने कारोबार सुगमता और अनुपालन बोझ कम करने कई उपायों का ऐलान किया

- सूचीबद्ध कंपनियों में प्रवर्तकों से नियंत्रणकारी हिस्सेदार की धारणा अपनाने को सैद्धांतिक मंजूरी मिली

मुंबई।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने नये जमाने की अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी युक्त कंपनियों के लिए स्वेट इक्विटी नियमों में ढील और विभिन्न खुलासा नियमों समेत कई उपायों का ऐलान किया। इसका मुख्य उददेश्य स्टार्टअप को बढ़ावा, अनुपालन बोझ कम करना और कारोबार सुगमता बढ़ाना है। इसके साथ सेबी के निदेशक मंडल ने सूचीबद्ध कंपनियों में प्रवर्तकों से नियंत्रणकारी हिस्सेदार की धारणा को अपनाने को सैद्धांतिक मंजूरी दी। आरंभिक शेयर बिक्री के बाद न्यूनतम 'लॉक इन' अवधि में भी कमी की। हाल ही में हुई बैठक में सेबी निदेशक मंडल ने वैकल्पिक निवेश कोष के संचालन से संबंधित नियमन में संशोधन को भी मंजूरी दी। सेबी ने स्वेट इक्विटी की संख्या पर छूट प्रदान करने का निर्णय किया है जिसे इनोवेटर्स ग्रोथ प्लेटफॉर्म (अईजीपी) पर सूचीबद्ध नए जमाने की प्रौद्योगिकी कंपनियों को जारी किया जा सकता है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब कई स्टार्टअप विदेशी निवेशकों समेत अन्य से उल्लेखनीय निवेश आकर्षित कर रहे हैं। आईजीपी पर सूचीबद्ध कंपनियों के मामले में स्वेट इक्विटी शेयरों की वार्षिक सीमा 15 प्रतिशत होगी, जबकि समग्र सीमा किसी भी समय चुकता पूंजी का 50 प्रतिशत होगी। यह बढ़ी हुई समग्र सीमा कंपनी के गठन की तारीख से 10 वर्षों के लिए लागू होगी। मुख्य बाजार में कारोबार करने वाली कंपनियों के लिए, वार्षिक स्वेट इक्विटी सीमा भी 15 प्रतिशत होगी, लेकिन कुल सीमा 25 प्रतिशत पर सीमित होगी। सेबी दो नियमों सेबी विनियमन, 2021 को एक करेगा। स्वेट इक्विटी से तात्पर्य किसी कंपनी द्वारा अपने कर्मचारियों को बिना नकदी के जारी किए गए शेयरों से है। किसी कर्मचारी की मृत्यु या स्थायी अपंगता की स्थिति में सभी शेयर लाभ योजनाओं के लिए न्यूनतम निर्धारित अवधि और लॉक-इन अवधि को समाप्त कर दिया जाएगा। सेबी निदेशक मंडल ने प्रवर्तक से नियंत्रणकारी हिस्सेदार की धारणा को अपनाने के प्रस्ताव पर सैद्धांतिक सहमति जताई।

दो साल में 3 लाख कारों को बेचकर किआ इंडिया ने बनाया कीर्तिमान, ब्रिकी में सेल्टास रही शीर्ष पर

मुंबई।

भारतीय बाजार में किआ इंडिया बिक्री के मामले में एक और मुकाम पर पहुंच गई है। कंपनी ने भारतीय बाजार में 3 लाख से ज्यादा गाड़ियों की बिक्री कर दी है। कंपनी का दावा है कि किआ ने सबसे कम समय में 3 लाख कारों की बिक्री का रिकॉर्ड बनाया है। किआ ने दो साल पहले भारत में प्रवेश किया था। पहले एक साल में किआ ने 1 लाख गाड़ियां बेची थीं, जबकि अगले एक साल में इसकी 2 लाख कारों की बिक्री हो गई। इस तरह दो सालों में कंपनी कुल 3 लाख से ज्यादा कारें बेच दी है। किआ ने सेल्टास के साथ भारतीय बाजार में दस्तक दी थी। यह कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही है। खास बात है कि 3,00,000वीं कार भी किआ सेल्टॉस ही रही। कंपनी की कुल बिक्री में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी सिर्फ सेल्टास की है। दूसरे नंबर पर किआ सोनेट कॉम्पैक्ट एसयूवी रही,इसकी बिक्री के 32 प्रतिशत रही। जबकि किआ कार्निवल की अब तक 7,310 यूनिट्स बिक चुकी हैं। जुलाई 2021 में आए कार सेल्स परिणाम के दौरान कंपनी ने बताया था कि किआ की पिछले 6 महीने में 1 लाख से ज्यादा गाड़ियां बिकी थीं। इसके साथ ही सिर्फ जुलाई में ही कंपनी ने 15,016 गाड़ियों की बिक्री की है। इस तरह जुलाई 2021 में किआ इंडिया ने 76 फीसदी की सालाना ग्रोथ हासिल की। जुलाई में कंपनी की कुल बिक्री में सबसे बड़ा योगदान सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी किया सोनेट का रहा था, जिसकी कुल 7,675 यूनिट्स बिकी। कंपनी अब अपने चौथे प्रोडक्ट पर काम कर रही है, जो एक कॉम्पैक्ट एमपीवी हो सकती है। इसकी लॉन्चिंग साल 2022 की शुरुआत में की जाएगी। किआ की इस कार का मुकाबला मारुति एर्टिगा, महिंद्रा मराज़ो और हुंडई व एमजी की आने वाली कॉम्पैक्ट एमपीवी के साथ रहेगा। इसमें किआ सेल्टोस से इंस्पायर्ड डिजाइन, फीचर्स और इंजन रहने की संभावना है।

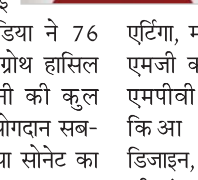

रियलमी जीटी 5जी सीरीज लॉन्च करने की तैयारी

– कंपनी 18 अगस्त को कर सकती है सीरीज को पेश

नई दिल्ली ।

भारत में चीन की रियलमी कंपनी अपनी लेटेस्ट और पावरफुल रियलमी जीटी 5जी सीरीज को लॉन्च करने वाली है। कंपनी ने 18 अगस्त को इस सीरीज को पेश कर सकती है। रियलमी इंडिया के सीईओ माधव सेठ ने आस्क माधव सीरीज में रियलमी जीटी 5जी सीरीज की लॉन्च तारीख की पुष्टि की है। इतना ही नहीं, कंपनी ने यह भी कंफर्म किया है कि कंपनी भारत में रियलमी जीटी मास्टर एडीशन को भी लॉन्च करेगी। आइए आपको दोनों ही हैंडसेट से जुड़ी जानकारी प्रदान करते हैं। रियलमी जीटी 5जी लांच डेट इन इं डिया की बात करें तो इस हैंडसेट को भारतीय बाजार में 18 अगस्त को लॉन्च किया जाएगा। इस फ्लैगशिप मॉडल के साथ इसी दिन कंपनी अपने मास्टर एडिशन को भी उतारा जाएगा। रियलमी इंडिया के सीईओ माधव सेठ ने आस्क माधव सीरीज में इस इस बात का संकेत दिया है कि रियलमी जीटी 5जी की भारत में कीमत 30 हजार रुपये से ऊपर होगी। इतना ही नहीं, दोनों ही रियलमी मोबाइल्स के भारतीय वर्जन में ग्लोबल वेरिएंट वाले ही स्पेसिफिकेशन दिए जाएंगे। फोन दो स्टोरेद वेरिएंट में आता है और रियलमी जीटी 5जी स्मार्टफोन की चीनी मार्केट में कीमत 12 जीबी रैम+ 256 जीबी वेरिएंट का दाम सीएनवाय 3399 (लगभग 39,000 रुपये) है। यूरोप में 8 जीबी रैम और 128 जीबी वेरिएंट का दाम ईयूआर 449 (लगभग 39,850 रुपये) है। 12 जीबी रैम/256 जीबी वेरिएंट की कीमत ईयूआर 599 (लगभग 53,200 रुपये) है।यूरोप में स्मार्टफोन की कीमत आमतौर पर स्थानीय करों और शुल्कों के कारण अधिक होती है लेकिन हम भारतीय बाजार में डिवाइस की कीमत कम होने की उम्मीद कर सकते हैं। फोन में स्पीड और मल्टीटास्किंग के लिए स्नैपड्रेगन 888 एसओसी के साथ तीन रियर कैमरे दिए गए हैं, फोन में 120 हट्र्ज रिफ्रेश रेट के साथ अमोलेड डिस्प्ले भी दी गई है। फोन में 4500 एमएएच बैटरी है जो 65 वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करती है। फोन में स्नैपड्रेगन 778जी एसओसी के साथ 64 मेगापिक्सल ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप है। फोन में 4300 एमएएच बैटरी जान फूंकने के लिए मौजूद है जो 65 वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करती है।

सेबी ने आईपीओ लाने वाली कंपनियों के प्रमोटरों को दी राहत

नई दिल्ली ।

बाजार नियामक सेबी ने कंपनी के शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद प्रमोटर के निवेश के लिए लॉक-इन पीरियड तीन साल से घटाकर 18 महीने कर दिया गया है। इससे कंप नियों के प्रमोटरों को आईपीओ लाने के लिए बड़ी राहत मिलेगी। हालांकि बाजार नियामक ने इसके लिए कुछ शर्ते तय की हैं। सेबी ने ग्रुप कंपनियों के डिसक्लोजर के नियमों को भी कारगर बनाने का फैसला किया है। प्रमोटर के लॉक-इन पीरियड में कमी के लिए शर्त यह है कि आईपीओ या एफपीओ का मकसद सिर्फ ऑफर फॉर सेल या ऐसा फंड जुटाना होना चाहिए, जिसका इस्तेमाल किसी प्रोजेक्ट के पूंजीगत खर्च के लिए नहीं हो। सेबी के बोर्ड ने प्रमोटर की व्यवस्था की जगह धीरे-धीरे पर्सन इन कंट्रोल या कंट्रोलिंग शेयरहोल्डर्स की व्यवस्था की तरफ बढ़ने का भी फैसला किया है। इसके लिए रेगुलेटरी मसलों के समाधान के लिए दूसरे रेगुलेटरों को भी विचारविमर्श में शामिल करने का फैसला किया गया है। इसके लिए नियमों में संशोधन का ड्राफ्ट तैयार करने के बाद उसके असर का विश्लेषण किया जाएगा। यह विश्लेषण सेबी की प्राइमरी एडवायजरी कमेटी में होगा। उसके बाद प्रस्तावित बदलाव का रोडमैप तैयार होगा।

सेबी शेयर बाजार की बदलती स्थितियों के साथ तालमैल बैठाने की कोशिश करता रहा है। पिछले कुछ सयम में सूचीबद्ध कंपनियों में संस्थागत निवेशकों और प्राइवेट इक्विटी निवेशकों की हिस्सेदारी काफी बढ़ी है। सेबी के बोर्ड ने आईपीओ के वक्त डिसक्लोजर से जुड़ी औपचारिकताओं में कमी लाने के उपायों को भी मंजूरी दे दी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के लिए बबल टू बबल ट्रांसफर की अनुमति दी

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल के शेष चरण के लिए हाल ही में समाप्त हुई श्रीलंका-भारत सफेद गेंद श्रृंखला में शामिल खिलाड़ियों के लिए बबल टू बबल ट्रांसफर की अनुमति देने का फैसला किया है। इस दौरे के दौरान क्रुणाल पांड्या के कोरोना संक्रमित होने के बाद पैदा हुए स्वास्थ्य खतरे के बावजूद यह निर्णय लिया है। क्रुणाल के संक्रमित होने के बाद नौ भारतीय खिलाड़ियों को क्वारंटीन में जाने के कारण मजबूरन कुछ मैचों से बाहर होना पड़ा था। बीसीसीआई के फैसले के बाद 19 सितंबर को फिर से शुरू हो रहे आईपीएल 2021 सत्र में बबल टू बबल ट्रांसफर से खिलाड़ियों को छह दिन के अनिवार्य क्वारंटीन से छूट होगी। इसी तरह की छूट इंग्लैंड, कैरेबियन प्रीमियर लीग और दक्षिण अफ्रीका के श्रीलंका दौरे में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को भी दी गई है। बीसीसीआई ने स्वास्थ्य एडवाइजरी में कहा, इंग्लैंड-भारत श्रृंखला, श्रीलंका-दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला और कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के लिए बनाए गए बायो बबल से सीधे आने वाले खिलाड़ियों और टीम के सहायक कर्मचारियों को अनिवार्य क्वारंटीन के बिना उनकी संबंधित टीम में शामिल होने की अनुमति दी जा सकती है, बशर्ते वे कुछ जरूरी मानदंडों को पूरा करें।

ओलंपिक (भाला फेंक)

व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाले दूसरे भारतीय बने नीरज

टोक्यो।

नीरज चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक में शनिवार को भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। वह देश के लिए व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी और पहले ट्रैक एंड फील्ड एथलीट हैं। नीरज की इस सफलता के साथ भारत 1 स्वर्ण, 2 रजत और चार कांस्य के साथ टोक्यो ओलंपिक का समापन किया है। नीरज ने अपने दूसरे प्रयास में 87.58 मीटर की दूरी के साथ पहला स्थान हासिल किया। 86.67 मीटर के साथ चेक गणराज्य के याकुब वाल्देज दूसरे स्थान पर रहे जबकि उनके ही देश के विटेस्लाव वेसेली को 85.44 मीटर के साथ कांस्य मिला। नीरज से पहले अभिनव बिंद्रा ने 13 साल पहले बीजिंग ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। अभिनव ने हालांकि यह स्वर्ण निशानेबाजी में जीता था। यहां टोक्यो में नीरज ने जो किया है वह ऐतिहासिक है क्योंकि इससे पहले भारत को ओलंपिक में एथलेटिक्स इवेंट्स में कभी कोई पदक नहीं मिला। बिंद्रा के नाम कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियन गेम्स और ओलंपिक में पदक जुड़ गया है। वह तीनों इवेंट्स में मौजूदा चैम्पियन हैं। नीरज ने अपने पहले प्रयास में 87.03 की दूरी नापी और लीडरबोर्ड में पहले स्थान पर पहुंच गए। दूसरे प्रयास में नीरज ने 87.58 भाला फेंका और लीडरबोर्ड पर खुद को मजबूत किया और एक लिहाज से पदक पक्का कर लिया। तीसरे प्रयास में हालांकि वह 76.79 मीटर की ही दूरी नाप सके। उनका चौथा प्रयास फाउल रहा। नीरज का पांचवां प्रयास भी फाउल रहा। दूसरी ओर, जर्मनी के जूलियन वेबर ने पहले प्रयास में 85.30 मीटर की दूरी नापी और लीडरबोर्ड पर दूसरे स्थान पर काबिज हो गए। दूसरे प्रयास में हालांकि वह 77.90 मीटर की ही दूरी नाप सके। चेक गणराज्य केवेसेली ने हालांकि अपने तीसरे प्रयास में 85.44 मीटर की अपनी सीजन बेस्ट दूरी नाम वेबर को तीसरे स्थान पर धकेल दिया। वेसेली का चौथा प्रयास नाकाम रहा और इसी बीच उनके ही देश के वाल्देज ने पांचवें प्रयास में 86.67 मीटर के सीजन बेस्ट दूरी के साथ वेसेली को तीसरे स्थान पर धकेल दिया।खिताब के दावेदार माने जा रहे वेबर पांचवें स्थान पर खिसक गए थे लेकिन वह भी पांचवें प्रयास में सीजन बेस्ट 85.30 मीटर के साथ चौथे स्थान पर आ गए। नीरज को इन सबसे कोई फर्क नहीं पड़ रहा था। उनका स्थान सुरक्षित था। अब उनका सामना सीधे वेसेली और वाल्देज से था। इन दोनों के अंतिम प्रयास नाकाम रहे और इसी के साथ नीरज को एक प्रयास के बिना ही स्वर्ण मिल गया। यह ऐतिहासिक स्वर्ण है। भारत ने इससे पहले एथलेटिक्स में कोई पदक नहीं जीता था लेकिन अब जब पदक आया तो वह सीधे स्वर्ण। इससे पहले, मिल्खा सिंह (1960) और पीटी ऊषा (1984) में अपने-अपने इवेंट्स में चौथे स्थान पर रहे थे। लेकिन अब भारतीय एथलेटिक्स के इतिहास में नया अध्याय शुरू हो गया है।

कड़ी मेहनत करो और मजे करो, कभी ना कभी मंजिल जरूर मिलेगी

टोक्यो।

शीर्ष भारतीय महिला गोल्फर अदिति अशोक, जो शनिवार को टोक्यो ओलंपिक में बेहद करीब आकर कांस्य पदक से चूक गईं। हालांकि बावजूद इसके अदिति ने इतिहास रच दिया। वह देश की पहली महिला खिलाड़ी बन गईं, जिन्होंने ओलंपिक में इतनी दूर तक का सफर तय किया है। पांच साल की उम्र में गोल्फ क्लब पकड़ने वाली अदिति ने कभी नहीं सोचा था कि यह एक दिन उसे सबसे बड़े खेल मंच पर ले जाएगा। बेंगलुरु में एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मी, अदिति को जब पांच साल की उम्र में कर्नाटक गोल्फ एसोसिएशन कोर्स में ले जाया गया तब वह इस खेल के प्रति आकर्षित हुईं ।फ्रैंक एंथोनी पब्लिक स्कूल में अपनी पढ़ाई और गोल्फ के लिए अपने जुनून को देखते हुए, 23 वर्षीय ने पाठ्यक्रम में नियमित रूप से प्रशिक्षण शुरू किया और स्थानीय टूर्नामेंट खेला। अदिति ने 2011 में 13 साल की उम्र में अपनी पहली राज्य स्तरीय ट्रॉफी- कर्नाटक जूनियर और दक्षिण भारतीय जूनियर चैंपियनशिप जीती। जल्द ही उन्होंने राष्ट्रीय एमेच्योर खिताब जीता। शनिवार को, अदिति 17वें होल तक पोडियम फिनिश के लिए दौड़ में थी, लेकिन कासुमीगासेकी कंट्री क्लब में अंततः चौथे स्थान पर रहते हुए मेडल ब्रैकेट से बाहर हो गई। वह 2016 के रियो ओलंपिक में 41वें स्थान पर रही थीं। 23 वर्षीय अदिति ने आकांक्षी गोल्फरों को संदेश देने के बारे में कहा, जब मैंने गोल्फ शुरू किया तो मैंने कभी ओलंपिक में होने या प्रतिस्पर्धा करने का सपना नहीं देखा था। गोल्फ एक ओलंपिक खेल भी नहीं था। इसलिए कभी-कभी आप सिर्फ गोल्फ क्लब उठाओ और कड़ी मेहनत करो और हर दिन मजे करो। कभी ना कभी तुम अपनी मंजिल तक जरूर पहुंचोगे।

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने हासिल की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग

नई दिल्ली ।

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक अभियान के बूते विश्व रैंकिंग में अपना सर्वश्रेष्ठ स्थान हासिल किया। पुरुष टीम तीसरे और महिला टीम आठवें स्थान पर पहुंच गयी। भारतीय पुरुष टीम ने ओलंपिक में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतकर 41 साल के पदक सूखे को समाप्त किया था। वह स्वर्ण पदक विजेता बेल्जियम और रजत पदक हासिल करने वाली आस्ट्रेलिया से पीछे है। हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में भारतीय पुरुष टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा, ''यह उस खेल के प्रति हम सभी की कड़ी मेहनत और समर्पण का नतीजा है जिसे हम सभी प्यार करते हैं, जिसने हमें सब कुछ दिया है। उन्होंने कहा, 'रैंकिंग और 41 साल बाद ओलंपिक पदक से भारतीय हॉकी के बढ़ने की शुरुआत हुई है। अब पीछे मुड़कर नहीं देखना, हमने अपने लिए मानदंड स्थापित कर दिया है और हम इससे आगे बढ़ना ही चाहेंगे। पुरुष टीम ने जहां कांस्य पदक हासिल किया तो वहीं महिला टीम पदक से चूक गई जिसे तीसरे स्थान के प्ले-ऑफ में ब्रिटेन से हार का सामना करना पड़ा और वह चौथे स्थान पर रही। महिला टीम की कप्तान रानी रामपाल ने कहा, 'हम पोडियम पर पहुंचने के बहुत करीब थे जो टीम को काफी दुख दे रहा है कि हम ऐसा नहीं कर पाए। हालांकि अच्छी चीज है कि हमने हाल के वर्षों में शानदार प्रगति की है और मुझे इस पर गर्व है। उन्होंने कहा, 'ओलंपिक में शीर्ष चार में रहना और विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर पहुंचना हमारे लिए बहुत बड़ी चीज है जिससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है और इससे हमें आगे बढ़ने में निश्चित रूप से मदद मिलेगी।

ओलंपिक (कुश्ती) : बजरंग ने 65 किग्रा फ्रीस्टाइल में भारत के लिए जीता कांस्य

टोक्यो।

भारत के बजरंग पहलवान ने शनिवार को शानदार सफलता हासिल करते हुए फ्रीस्टाइल कुश्ती के 65 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीत लिया है। बजरंग ने इस तरह भारत की झोली में चौथा कांस्य और कुल छठा पदक डाला है। माकुहारी मेसे हॉल-ए मैट बी पर बजरंग का सामना कजाकिस्तान के दौलत नियाबेकोव से था। बजरंग ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखते हुए इस मुकाबले को 8-0 से अपने नाम किया और विश्व चैम्पियनशिप, एशियाई चैम्पियनशिप और एशियाई खेलों के बाद अपने नाम ओलंपिक पदक भी कर लिया है।इस मुकाबले में बजरंग इस तरह हावी रहे कि उन्होंने विश्व चैम्पियनशिप में दो बार पदक जीत चुके दौलत को एक भी अंक नहीं लेने दिया। बजरंग ने राउंड आफ-8 मुकाबले में किर्गिस्तान के इरनाजार अकामातालीव को हराया था। इसके बाद वह क्वार्टर फाइनल में ईरान के मुर्तजा घियासी के खिलाफ विजयी रहे थे लेकिन सेमीफाइनल में वह अजरबैजान के हाजी अलीयेव के हाथों बुरी तरह हार गए थे।

अब टोक्यो में भारत के कुल छह पदक हो गए हैं। यह लंदन ओलंपिक के बराबर है जहां भारत ने दो रजत और चार कांस्य जीते थे। भारत के खाते मे अभी भी एक पदक आ सकता है । भाला फेंक में नीरज चोपड़ा से पदक की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

ओलंपिक (एथलेटिक्स) : इटली ने पुरुषों की 4गुणा100 मीटर रिले का स्वर्ण जीता

टोक्यो। पुरुषों की 100 मीटर चैंपियन लैमोंट मार्सेल जैकब्स ने टोक्यो ओलंपिक में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता क्योंकि जैकब्स के नेतृत्व वाली इटली ने पुरुषों की 4गुणा100 मीटर रिले का खिताब जीत लिया। विजेता का फैसला एक फोटो फिनिश में किया गया क्योंकि इटली ने ब्रिटेन के 37.51 सेकेंड के समय की तुलना में 37.50 सेकेंड समय लेकर 0.01 सेकेंड के अंतर से जीत हासिल की। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पुरुषों की 200 मीटर स्वर्ण पदक विजेता आंद्रे डी ग्रास की नेतृत्व में कनाडा 37.70 सेकेंड समय के साथ तीसरे स्थान पर रहा। स्टार स्प्रिंटर सु बिंगटियन के नेतृत्व में, चीन रियो 2016 में फाइनल के बाद 37.79 सेकेंड समय के साथ फिर से चौथे स्थान पर रहा। वे जमैका से ठीक आगे रहे, जिसने पिछले दो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था, जिसमें उसैन बोल्ट ने नेतृत्व किया था। बोल्ट के अब रिटायर होने के साथ, योहान ब्लेक ने शुक्रवार को अपने देश की चुनौती का नेतृत्व किया लेकिन उनकी टीम 37.84 सेकेंड के साथ पांचवे स्थान पर रही। जमैका की महिलाओं ने हालांकि 4गुणा100 मीटर रिले जीत ली। जमैका की टीम, जिसमें खेलों में महिलाओं की 100 मीटर प्रतियोगिता के सभी पदक विजेता शामिल हैं, ने 41.02 सेकंड में दौड़ पूरी की। यूएसए 41.45 के साथ दूसरे और ब्रिटेन 41.88 के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

गेंद के बाद बुमराह ने बल्ले से ढहाया कहर, बुमराह के सिक्स के मुरीद हुए सचिन

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज में इंग्लैंड के साथ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला टेस्ट खेल रही है।मैच में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सुर्खियों में हैं। बुमराह गेंद के साथ बल्ले से भी कमाल दिखा रहे हैं। यॉर्करमैन ने पहले शानदार गेंदबाजी करते हुए 46 रन देकर चार विकेट लेकर इंग्लैंड को 183 रनों पर समेट दिया। इसके बाद उन्होंने बल्लेबाजी में भी 10वें नंबर पर आकर 34 गेंदों पर 28 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेलकर भारत को 278 रनों तक पहुंचाने में अपना योगदान दिया। बुमराह ने अपनी पारी के दौरान तीन चौके और एक छक्का भी लगाया। उन्होंने यह छक्का सैम कुरैन की गेंद पर पुल करके लगाया। बुमराह के जोरदार सिक्स को देखकर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर काफी हैरान हुए है। मास्टर ब्लास्टर बुमराह के इस शॉट के इतने मुरीद हुए कि वे खुद को इसकी तारीफ करने से नहीं रोक सके। तेंदुलकर ने कठिन हालात में खेल बुमराह की पारी की जमकर तारीफ की है। तेंदुलकर ने ट्विटर पर लिखा,पुछल्ले बल्लेबाजों की ओर से बने अहम रनों की वजह से टीम इंडिया को बड़ी बढ़त मिली हैं। ये देखना दिलचस्प रहेगा कि इंग्लैंड पीछे रहकर कैसे जवाब देता है। वैसे जसप्रीत बुमराह ने आज अपनी जिंदगी का सबसे अच्छा शॉट खेला। बुमराह ने भारतीय पारी के 82वें ओवर में सैम कुरैन की गेंदों पर दो चौके और पुल करके एक शानदार सिक्स लगाया।

ओलंपिक (महिला मैराथन) : जेपचिरचिर बनीं चैम्पियन, केन्या ने रजत भी जीता

टोक्यो।

टोक्यो ओलंपिक 2020 में महिलाओं की मैराथन रेस केन्या की पेरेस जेपचिरचिर ने जीत ली है। पेरेस ने 2:27:20 घंटे का सीजन बेस्ट समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। केन्या की ही ब्रिगिड कोसगेई दूसरे स्थान पर रहीं। कोसगेई ने 2:27:36 घंटे के समय के साथ फिनिश लाइन को छूकर रजत पदक जीता। वहीं अमेरिका की मोली सिडेल ने शुरूआती दौर से तीसरे स्थान पर रहीं और अंत भी इसी स्थान से किया। गर्मी और आद्रता के बीच पेरेज ने अपनी हमवतन से 16 सेकेंड पहले फिनिश लाइन को छुआ। रेस की सबसे खास बात ये रही कि शीर्ष छह स्थानों पर रहने वाली एथलीटों ने सीजन बेस्ट समय निकाला और एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी। आखिरी के कुछ किलोमीटर में जेपचिरचिर ने अपनी स्पीड बढ़ाई और फिर वह सबसे आगे निकल गईं। कुल 14 एथलीट अपनी रेस पूरी नहीं कर पाए जिसमें गत विश्व चैंपियन केन्या की रूथ चिपगेटिच भी शामिल रहीं। इस स्पर्धा में भारत का कोई प्रतिनिधित्व नहीं था। पेरेस ने स्वर्ण पदक जीतने के बाद कहा, यह अच्छा लगता है। मैं बहुत खुश हूं, क्योंकि हम केन्या पहला और दूसरा स्थान हासिल करने में सफल रहे। मैं अपने भगवान को बहुत धन्यवाद देती हूं। मैं अपने परिवार के लिए खुश हूं। मैं अपने देश, केन्या के लिए खुश हूं। चरम गरमी की स्थिति के कारण, खेलों के आयोजकों ने एक घंटे पहले जापान के समय सुबह 6 बजे दौड़ शुरू की 1984 में लॉस एंजिल्स खेलों में पहली बार शामिल होने के बाद ओलंपिक में महिलाओं की मैराथन का यह 10 वां संस्करण था। केन्या ने इस आयोजन में 10 बार हिस्सा लेते हुए सात मैराथन पदक जीते हैं, लेकिन यह पहला मौका है जब एक ही ओलंपिक मैराथन में देश को पहला और दूसरा स्थान मिला है।

रानी ने वंदना के परिवार के खिलाफ कथित जातिवादी अपशब्दों पर कहा- कितना शर्मनाक है यह

टोक्यो ।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल ने शनिवार को साथी खिलाड़ी वंदना कटारिया के परिवार के लिए की गई कथित जातिवादी अपशब्दों की निंदा की और इन्हें शर्मनाक करार दिया। वंदना ने ओलंपिक के दौरान चार गोल किये थे लेकिन बुधवार को अर्जेंटीना के खिलाफ सेमीफाइनल में भारतीय महिला टीम के हारने के बाद उनके परिवार को हरिद्वार में कथित रूप से जातिवादी अपशब्द कहे गए थे। रानी ने कहा कि जो कुछ हुआ, वह बहुत खराब है। हम अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिये इतनी कड़ी मेहनत करते हैं। इस तरह धर्म, जाति के आधार पर भेदभाव करना बंद कीजिए क्योंकि हम इन सभी चीजों से ऊपर काम करते हैं। भारतीय महिला टीम कांस्य पदक के प्ले-ऑफ में ग्रेट ब्रिटेन से 3-4 से हारकर चौथे स्थान पर रहीं। रानी ने कहा, ''हम भारत के विभिन्न हिस्सों से आते हैं, विभिन्न धर्मों के हैं। लेकिन जब हम यहां आते हैं तो हम भारत के लिये काम करते हैं। लोगों का इस तरह का व्यवहार शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि लेकिन ऐसे भी लोग हैं जिन्होंने हमें इतना प्यार दिया, हालांकि हमने पदक नहीं जीता। इसलिए उन्हें इन लोगों से सीख लेनी चाहिए। अगर हम भारत को हॉकी का देश बनाना चाहते हैं तो हमें सब लोगों की जरूरत है। खबरों के अनुसार दो व्यक्तियों ने वंदना के रोशनाबाद में स्थित घर के बाहर पटाखे फोड़े और हंसी उड़ाते हुए डांस किया। जब वंदना के परिवार के कुछ सदस्य आवाज सुनकर बाहर आये तो दो व्यक्ति उनके खिलाफ जातिवादी टिप्पणी करते हुए भाग गए। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार उन्होंने कहा कि टीम इसलिये हारी क्योंकि इसमें काफी ज्यादा दलित खिलाड़ी हैं। रानी ने उम्मीद जतायी कि लोग इस घटना से सबक सीखेंगे और भविष्य में इस तरह की चीजें नहीं होंगी। उन्होंने कहा कि यह बुरी चीज है, ऐसा नहीं होना चाहिए था, शायद वे इससे सीख लेंगे और भविष्य में ऐसा नहीं करेंगे।

एंडरसन और ब्रॉड काफी कुशल, उन्हें खेलना आसान नहीं - के एल राहुल

नाटिंघम । भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज के एल राहुल ने कहा कि 2018 के इंग्लैंड दौरे पर मिली नाकामी से उन्होंने सीख लिया कि कठिन हालात में बैक शॉट पर काबू रखना अहम है,इससे उन्हें मौजूदा दौरे पर मदद मिल रही है। राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले तीन दिवसीय अभ्यास मैच में शतक लगाया और पहले टेस्ट की पहली पारी में 84 रन बना, भारत को 95 रन की बढ़त बना ली। राहुल ने तीसरे दिन के खेल के बाद कहा कि मेरे दिमाग में बहुत कुछ चलता रहता था। मुझे लगता था कि टेस्ट क्रिकेट में हर गेंद पर दो या तीन अलग शॉट खेल सकता हूं लेकिन मुझे समझ में आया कि उन पर काबू रखना होगा। कई बार विकेट चुनौतीपूर्ण होते हैं जिन पर अच्छे गेंदबाजों का सामना करते हुए कुछ शॉट्स खेलने से बचना जरूरी होता है। मैंने टेस्ट क्रिकेट में अपने पिछले खराब प्रदर्शन से सबक लेकर सुधार किया है। उन्होंने इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड की तारीफ कर कहा कि यहां खेलना चुनौतीपूर्ण है, उनके पास बेहतरीन गेंदबाज है। एंडरसन और ब्रॉड काफी कुशल है और कई बार टीम को मैच जिता चुके हैं। उन्हें खेलना आसान नहीं है।

कैडी के रूप में मां का साथ मिलने पर निखरकर सामने आया अदिति का खेल

टोक्यो।

टोक्यो ओलिंपिक के आधिकारिक ट्विटर हैंडल ने 23 वर्षीय भारतीय गोल्फर अदिति अशोक के शानदार खेल की सराहना करते हुए लिखा कि कैडी के रूप में मां का साथ मिलने पर निखरकर सामने आया है अदिति का खेल। अदिति टोक्यो खेलों के अंतिम दिन चौथे स्थान रहीं। उनके खेल की तारीफ में ट्विटर हैंडल पर कहा गया, वह गोल्फ में पदक के लिए अंत तक संघर्ष करती रहीं।अपनी मां के साथ एक एनिमेटेड चर्चा में अदिति की एक तस्वीर और उनके सामने एक भरा हुआ गोल्फ बैग पड़ा हुआ पोस्ट करते हुए, हैंडल ने ट्वीट किया, अदिति अशोक के लिए नारे लगाओ। दुनिया में 200वीं नम्बर की खिलाड़ी और टोक्यो 2020 में कैडी उनकी मां ने गजब का खेल दिखाया और अंत तक पदक के लिए अंत तक संघर्ष किया। युवा अदिति वर्तमान में दुनिया में 200वें स्थान पर है और उसने एलपीजीए पर कई टूर्नामेंट नहीं खेले हैं, लेकिन वह एक अनुभवी खिलाड़ी की तरह मैदान में टिकी रही। मध्यवर्गीय पृष्ठभूमि से आने वाली, अदिति के पिता गुडलामणि अशोक, 2016 के रियो ओलंपिक खेलों में उनके कैडी थे, जहां 18 साल की उम्र में उन्होंने अपना सबसे बड़ा गोल्फ डेब्यू किया और 41वें स्थान पर रहीं। लेकिन यहां टोक्यो में, यह उसकी मां थी जिसने अदिति को पोडियम फिनिश के लिए मार्गदर्शन किया। अदिति ने ओलंपिक से पहले गोल्फचैनल डॉट कॉम से कहा था, मुझे लगता है कि जब मेरे पिता वहां होते हैं तो वह मेरे खेल को बहुत अधिक जानते हैं, शायद कभी-कभी वह मेरे खेल को मेरे से अधिक जानते हैं। इसलिए मैं हमेशा उन पर भरोसा करने के लिए मजबूर महसूस करती हूं। अदिति ने कहा, जहां तक मेरी मां की बात है तो मैं उनसे कुछ भी पूछ सकती हूं लेकिन गोल्फ सलाह के संदर्भ में वह मेरे पिताजी की तरह मेरी मदद करने में सक्षम नहीं हो सकती है। मुझे लगता है कि मैं अपने निर्णयों के लिए अधिक प्रतिबद्ध हूं और अपने दम पर अधिक निर्णायक हूं।

ओमान क्रिकेट के आंमत्रण को एमसीए ने किया स्वीकार, 19 अगस्त को मुंबई की टीम रवाना होगी मस्कट

मुंबई । ओमान क्रिकेट ने आगामी टी-20 विश्व कप से पहले मुंबई की टीम को पांच या छह टी-20 मैच खेलने के लिए ओमान आमंत्रित किया है। ओमान क्रिकेट (ओसी) के प्रमुख पंकज खिमजी की ओर से यह व्यवस्था मुख्य रूप से ओमान की राष्ट्रीय टीम को कुछ अभ्यास मैच प्रदान करने के लिए की जाएगी, जो अक्टूबर-नवंबर में टी-20 विश्व कप में भाग लेगी।बताया जाता हैं कि ओमान क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) दलीप मेंडिस ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के सचिव संजय नाइक को आमंत्रण भेजा है। वहीं जानकारी मिल रही हैं कि एमसीए ने आमंत्रण स्वीकार कर लिया है, जिसकी पुष्टि श्रीलंका के पूर्व कप्तान मेंडिस ने की। उन्होंने कहा कि मुंबई की टीम ओमान की यात्रा करे इस पर काम किया जा रहा है। दौरे की पुष्टि करने वाले एमसीए अधिकारियों ने कहा है कि चयनकर्ताओं द्वारा कोच अमोल मजूमदार से सलाह लेने के बाद ओमान दौरे के लिए मुंबई टीम को अंतिम रूप दिया जाएगा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर एवं मुंबई टीम के चयनकर्ता गुलाम पारकर ने हाल ही में मुंबई लौटने से पहले लंबे समय तक ओमान में काम किया था। उल्लेखनीय है कि मुंबई की टीम 19 अगस्त को मस्कट के लिए रवाना होगी। इस व्यवस्था को दोनों पक्षों के लिए फायदे का सौदा माना जा रहा है। जहां ओमान की टीम को टी-20 विश्व कप से पहले कुछ गुणवत्तापूर्ण अभ्यास मिलेगा,वहीं मुंबई की टीम को भारतीय घरेलू सत्र की शुरुआत से पहले एक राष्ट्रीय टीम के साथ खेलने का मौका मिलेगा। ओमान ने टी-20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है और वह विश्व कप के पहले दौर के छह मैचों की मेजबानी भी करेगा।

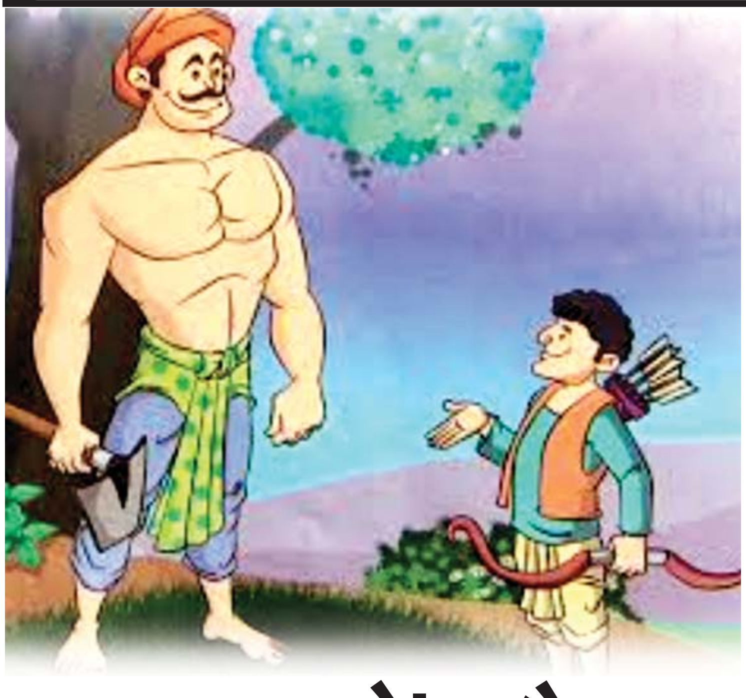

बादल में बौना

जंगल में एक पुराना महल था। उसके मुख्य द्वार के बाहर सोने का एक सांप बना हुआ था। सांप इतनी कुशलता से बनाया गया था कि जीवित लगता था। महल खंडहर बन गया था, पर सांप अभी भी चमकदार था। उधर से गुजरने वाले लोग सोने का सांप देखकर लालच में पड़ जाते। सोचते, 'सोने का सांप बेचकर तो बहुत पैसा कमाया जा सकता है।' लेकिन जो भी सांप की मूर्ति को उठाना चाहता, वह असफल रहता।

लोग कहते थे कि उन्होंने उस महल और सांप की मूर्ति को हमेशा वैसा ही देखा था। राह चलते लोग खंडहर हुए महल में रुकते, आराम करते और अपनी राह चले जाते। महल किसने बनाया और दरवाजे पर द्वारपाल के रूप में सांप की मूर्ति क्यों बनाई गई, यह बात निश्चित रूप से कोई नहीं कह सकता था। पूछने पर पास के गांव के बड़े-बूढ़े इस बारे में एक बहुत ही विचित्र कथा सुनाते थे।

कहीं एक औरत और उसका बेटा रहते थे। औरत मेहनत-मजदूरी करके अपना और अपने बेटे का पेट भरती थी। वह रोज काम पर चली जाती और बेटा घर पर रहता। बेटा अपना समय घर में अकेले बिताता। उसका नाम था जैक। वह बहुत दयालु था।

एक दिन जैक ने घर की दीवार से एक सांप को निकलते देखा। सांप धीरे-धीरे रेंगते हुए दूसरी तरफ अपने बिल में चला गया। जैक उस समय खाना खा रहा था। उसने थोड़ा सा खाना सांप के बिल के बाहर रख दिया। फिर इंतजार करने लगा कि सांप कब वहां से बाहर आता है।

उस दिन से जैक ने यह नियम बना लिया। जब भी भोजन करता, सांप के लिए उसका हिस्सा जरूर रख देता था। जैक की मां ने भी यह देखा। उसने पूछा, तो जैक ने सांप के बारे में बता दिया। सुनकर मां तो डरी, पर जैक ने कहा, मुझे सांप से जरा भी डर नहीं लगता। एक दिन जैक ने सुना, घर की मरम्मत की जाएगी और पुरानी दीवार को तोड़ दिया जाएगा। उसने मां से कहा, मां, दीवार को मत तोड़ो। इस तरह तो सांप बेचारा बेघर हो जाएगा।

मां ने जैक को बहुत समझाया, पर वह तो जिद पकड़ बैठा। मां ने उसकी बात मान ली। आखिर दीवार नहीं तोड़ी गई। दिन सप्ताहों में, सप्ताह महीनों में और महीने वर्षों में बदल गए। जैक सुंदर, सजीला युवक बन गया। कुछ समय बाद जैक की मां की मृत्यु हो गई। इसलिए जैक एकदम अकेला रह गया था।

एक दिन जैक दीवार के पास खड़ा था। तभी उसने एक आवाज सुनी, जैक, मैं तुम्हारा मित्र सांप हूं। अब तुम मेरे लिए कुछ मत रखना। मेरा अंत आ गया है। तुम बहुत अच्छे हो। मैं जाते समय तुम्हें एक मामूली भेंट देकर जाना चाहता हूं। जैक के देखते-देखते दीवार फट गई। उसमें से एक बांसुरी बाहर गिर गई। सांप ने कहा, यह जादुई बांसुरी संकट के समय तुम्हारी मदद करेगी। यह एक परी की है। वह इसे एक झील के किनारे भूल गई थी। मैं इसे किसी अच्छे आदमी को देना चाहता था। जैक ने बांसुरी ले ली। तभी वह दीवार गिर पड़ी। जैक ने देखा, मलबे के बीच मरा हुआ सांप पड़ा है।

जैक ने उसी दिन गांव छोड़ दिया। अब भला उसका कौन था वहां! वह हमेशा बांसुरी अपने साथ रखता था। बांसुरी की सुरीली आवाज से लोग मोहित हो जाते। जैसे बांसुरी में कोई जादू था। उसकी आवाज सुन बीमार लोग अच्छे हो जाते, दुष्टों का दिल दहलने लगता। जंगल में भटके हुए पशु लौट आते।

एक बार जैक किसी गांव के समीप से गुजर रहा था। रास्ते में उसने देखा, सब खेत जले हुए हैं। उसे आश्चर्य हुआ। उसने वहां रहने वालों से पूछा। पता चला, वहां जब-तब अंगारों की बारिश होती है। मुखिया ने बताया, न जाने कहां से एक काला बादल आता है। उससे अंगारे बरसने लगते हैं। सारी फसल जल जाती है।

जैक मैदान में खड़ा होकर आकाश की ओर देखने लगा। तभी पश्चिम दिशा से काला बादल वहां आया। उससे अंगारे बरसने लगे। जैक ने तुरंत बांसुरी उठाई और बजाने लगा। बांसुरी की मीठी आवाज गूंज उठी। एकाएक अंगारे उछले और बादल में वापस समा गए, जैसे उन्हें किसी ने ऊपर की ओर उछाल दिया हो। सब पहले जैसा हो गया। इसके बाद बादल बड़ी जोर से गरजने लगा। फिर भयानक सूरत वाला एक बौना नीचे उतरा। उसने जैक से पूछा, यह बांसुरी कैसे बजाते हो? तुम्हारे बांसुरी बजाने से आज भारी गड़बड़ हो गई। अंगारे धरती से उछलकर ऊपर चले गए। आज तक तो ऐसा कभी नहीं हुआ था। तुम यह बांसुरी मुझे दे दो।

जैक समझ गया कि बौना उसकी बांसुरी छीनना चाहता है। वह पीछे हटकर जोर-जोर से बांसुरी बजाने लगा। बौना पागलों की तरह उछल-कूद करने लगा। वह बुरी तरह हांफ रहा था, बंद करो बांसुरी बजाना। मैं बहुत थक गया हूं।

जैक समझ गया कि बौना उसके चंगुल में आ चुका है। वह रुका नहीं, उसी तरह बांसुरी बजाता रहा। अब तो बौना गिड़गिड़ाने लगा, मैं तुम्हें एक जादुई सेब देता हूं। इसे जमीन पर फेंकोगे, तो तुम्हें एक उपहार मिलेगा। कहते-कहते उसने एक सेब जैक की तरफ लुढ़का दिया। जैक ने सेब को जोर से जमीन पर पटका, तो वहां एक शानदार महल दिखाई देने लगा। अब जैक ने कहा, तुम्हें मैं इस तरह नहीं छोड़ सकता। तुमने इन भोले गांव वालों को बहुत परेशान किया है। तुम वादा करो कि इन्हें फिर कभी परेशान नहीं करोगे?

मरता क्या न करता? बौने ने कहा, मैं आज के बाद कभी अंगारों की बारिश नहीं करूंगा। जैक ने बांसुरी बजाना बंद कर दिया। बौना बादल में बैठकर भाग गया। जैक उस जादुई महल में रहने लगा। अब उसे किसी चीज की कमी नहीं रही। उसने अपने मित्र सांप की याद में सोने का सांप बनवाकर महल के बाहर लगवा दिया।

इस घटना को बहुत समय बीत चुका है। न जैक रहा, न दूसरे लोग। पर जैक और सोने के सांप की कहानी आज भी जीवित है।

टॉपियरी मतलब घास पर सजी इमेजिनेशन

जब मामला आर्ट का हो तो कई सारे रंगों का दुनिया में बिखर जाना लाजमी है।

जितने सारे लोग इस धरती पर उतनी ही अलग-अलग उनकी कल्पनाएं और दिमाग की दौड़। और जब मामला आर्ट का हो तो कई सारे रंगों का दुनिया में बिखर जाना लाजमी है। जिन बन्दों की कारीगरी हम यहां तुम्हें बता रहे हैं वो काम करते हैं पेड़-पौधों की दुनिया से जुड़कर। ये लोग बनाते हैं ग्रास स्कल्पचर एक आर्ट फॉर्म जिसे टॉपियरी भी कहा जाता है। खास बात यह है कि इस आर्ट फॉर्म को बनने में कुछ महीने से लेकर सालों तक का भी समय लग सकता है।

पर्ल फ्रेयर

टॉपियारी की कला का यह महान आर्टिस्ट दुनिया भर में अपने काम के लिए जाना जाता है। पूरी दुनिया में प्रेम, शांति और सद्भाव फैलाने का विचार लेकर चलने वाले इस अफ्रीकन-अमेरिकन आर्टिस्ट की लगन, खूबसूरत आर्ट और कड़ी मेहनत को आज सभी सलाम करते हैं। यही कारण है कि आज दुनियाभर के टूरिस्ट इनका साउथ कैरोलिना वाला टॉपियारी गार्डन देखने आते हैं जहां 300 से भी ज्यादा प्रकार के पौधे हैं जिनका उपयोग विभिन्न आकारों को बनाने के लिए भी किया गया है। इस गार्डन में कुछ पौधे तो ऐसे भी हैं जिन्हे यूं ही पड़े खाद के ढेर में से उठाकर यहां लाया और रोपा गया है। आज ये बेकार पड़े पौधे खूबसूरत, कलात्मक आकृतियों में बदल चुके हैं। पर्ल के आर्ट पर एक डॉक्यूमेंट्री मूवी 'अ मैन नेम्ड पर्ल'' भी बनाई गई है जो लोगों को प्रकृति से जुड़े रहने की प्रेरणा देती है।

मथिल्डे रोसेल

इस फ्रेंच आर्टिस्ट ने जिस सोच के साथ ग्रास आर्ट पर काम किया है वह दुनिया के हर इंसान के सोचने का विषय है। रोसेल ने रीसाइकल्ड मैटल की बॉडी में मिट्टी में गेंहू के दाने डालकर उन्हें आकार दिया है। जब मैटल के ढांचे में नन्हे घासनुमा पौधे पनपते हैं तो ऐसा लगता है जैसे नए जीवन को आकार मिल रहा हो और फिर जब घास सूख जाती है तो मिट्टी का शरीर मिट्टी में ही मिल जाता है। यही कलाकार का विचार भी है। रोसेल चाहती हैं कि इस कला के जरिए वे लोगों को अपने पर्यावरण, प्रकृति और भोजन की महत्ता समझने में मदद कर सकें। इन आकृतियों को रोसेल ने एक्शन फॉर्म में भी बनाया है। इसलिए ये और भी जीवंत नजर आती हैं। ग्रास स्कल्पचर के अलावा रोसेल अन्य आर्ट फॉर्म पर भी काम करती हैं लेकिन उनकी 'लाइव्स ऑफ ग्रास'' की कलाकृतियों ने लोगों को बहुत प्रभावित किया है।

एक अनोखा पत्थर, जिसे पीटने पर आती है घंटी की आवाज

वैसे तो आपने कई अनोखे पत्थरों के बारे में सुना होगा। लेकिन मध्य प्रदेश के रतलाम में मां दुर्गा के मंदिर में एक ऐसा अनोखा पत्थर है, जिसको बजाने पर घंटी की तरह आवाज निकलती है। इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों के सुनकर लोग हैरत में पड़ जाते हैं। कई लोग इसे दैवीय चमत्कार भी मानते हैं। बता दें कि इस पत्थर पर किसी भी अन्य पत्थर के टकराने से धातु की तरह आवाज आती है। रतलाम से करीब 25 किलोमीटर की दूरी पर बेरछा गांव के पास प्राचीन पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर अंबे माता के मंदिर के तौर पर जाना जाता है। इस पहाड़ी पर मंदिर से कुछ ही दूरी पर एक अनोखा पत्थर भी है। इस पत्थर पर किसी अन्य पत्थर से पीटने पर धातु की तरह आवाज निकलती है। पत्थर से निकलने वाली ये आवाज घंटी की तरह सुनाई देती है, जिसे ग्रामीण चमत्कारी पत्थर मानते हैं। बता दें कि इस मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। इस मंदिर को सबसे पहले एक ग्रामीण ने देखा था। उस समय यहां आने के लिए रास्ता भी नहीं था। बाद में ग्रामीणों के द्वारा यहां आने के लिये एक कच्चा सकरा रास्ता बनाया गया ताकि मंदिर तक आवश्यक पूजा व अन्य सामग्री ले जाई जा सके। बेरछा गांव के पास स्थित इस प्राचीन मंदिर से थोड़ी ही दूरी पर एक विचित्र पत्थर है, जिसे बजाने पर उसमें से धातु की तरह टन टन की आवाज आती है। ये किसी चमत्कार से कम नहीं है। वैसे तो पूरी पहाड़ी पत्थरों से भरी हुई है, लेकिन उसमें सिर्फ एक ही पत्थर खास है।

धातु की तरह आवाज निकालने वाला यह पत्थर अब भी रहस्य बना हुआ है। कई ग्रामीण इस पत्थर को दैवीय चमत्कार मानते हुए पूजा भी शुरू कर दी है और यहां पर एक ध्वज भी लगा दिया गया है। यह अनोखा पत्थर अंबे माता के मंदिर से से करीब 700 मीटर की दूरी पर है, जहां पैदल भी जाया जा सकता है। इन दिनों इस पत्थर से निकलने वाली आवाजों को सुनने के लिए लोगों की काफी भीड़ जुट रही है।

पेपर को करो रीसाइकल बनाओ कुछ बेहतर

जब भी रीसाइकलिंग की बात होती है सबसे पहला ध्यान पुराने, बेकार पेपर्स पर ही जाता है।

घर पर तुम भी अक्सर पुराने बेकार पड़े कागज से नाव बनाकर पानी में तैराया करते होंगे या फिर कागज का प्लेन बनाकर उड़ाया करते होंगे लेकिन क्या तुम्हारे दिमाग में इन पुराने पड़े न्यूजपेपर्स या मैगजीन्स को लेकर और कोई आइडिया आता है। क्योंकि जब भी रीसाइकलिंग की बात होती है सबसे पहला ध्यान पुराने, बेकार पेपर्स पर ही जाता है। आओ हम मिलकर बनाते हैं कुछ मजेदार चीजें जो दिखने में अच्छे लगेंगे और यूजफुल भी होंगे।

ये चीजें चाहिए

- न्यूज पेपर या मैगजीन
- चिपकाने के लिए ग्लू

फ्रेम विथ पेपर

तुम्हारे पास कोई पुराना फोटो फ्रेम पड़ा है तो पेपर की मदद से तुम उसे नया लुक दे सकते हो। न्यूजपेपर को मनचाही लंबाई में काटो और उसे फ्रेम के ऊपर एक-एक कर चिपकाते जाओ।

बनाओ पॉट को इंटरेस्टिंग

अपने सिंपल से प्लांट पॉट को पेपर के टुकड़ों से एक क्रिएटिव और नया रूप दे सकते हो। पेपर या मैगजीन को अपने पॉट के आकार के अनुसार काट लो और उसे पतले-पतले ट्यूब के रूप में पॉट के इर्द-गिर्द चिपकाते जाओ।

पेपर बैग

पेपर को दो या तीन लेयर की मोटाई में आपस में चिपका लो ताकि उसमें मजबूती आ जाए। इसके दोनों हिस्सों पर हल्की मोटी रस्सी या फिर खूबसूरत रिबन का इस्तेमाल कर सकते हो। इस इकोफ्रेंडली बैग को हल्के-फुलके सामानों को ले जाने के लिए उपयोग कर सकते हो।

जार की बढ़ाओ खूबसूरती

घर पर पड़े पुराने और बदरंग जार को पेपर के जरिए नए तरीके से प्रेजेंट कर सकते हो। इसके लिए तुम्हें पुरानी मैगजीन के कलरफुल पन्ने लेने होंगे ताकि जार अधिक खूबसूरत दिखे। मैगजीन के पन्नों को सही तरीके से मोड़ते हुए एक के ऊपर चिपकाते जाओ।

कॉफी मग होल्डर

पेपर को गोल-गोल घुमाते हुए मोड़ते जाओ और उनको आपस में चिपकाते जाओ। चाहो तो इसे कलर भी कर सकते हो। इसे तुम कॉफी होल्डर के लिए या डाइनिंग टेबल पर कोई गर्म चीज रखने के भी काम ला सकते हो।

दीवार सजाओ

अच्छी-सी डिजाइन में पेपर्स को काटो और उसे फ्रेम करके अपने ड्रॉइंग रूम में या फिर अपने रूम में दीवार पर डेकोरेट करने के लिए लगा सकते हो। चाहो तो कोई फ्लावर या फिर किसी अन्य शेप में पेपर या मैगजीन को काट सकते हो। कुछ ऐसा ही तुम दीवार घड़ी के साथ भी प्रयोग कर सकते हो। दीवार घड़ी के पिछले हिस्से पर पेपर को कोन के आकार का बनाकर लगा सकते हो।

ग्रीटिंग और कार्डबोर्ड का क्रिएटिव जादू

घर में खाली रखे मिठाई के डिब्बों या किसी सामान के साथ आए कार्डबोर्ड बॉक्स से भी बहुत अद्भुत चीजें बनाई जा सकती हैं। शादियों, त्योहारों और अन्य मौकों पर दिए जाने वाले इन्विटेशन कार्ड्स, ग्रीटिंग कार्ड्स और आर्ट एंड क्राफ्ट की दुकान पर मिलने वाली रंगबिरंगी पेपर शीट्स से आर्ट एंड क्राफ्ट के कई आइडियाज पनप सकते हैं। इसी तरह घर में खाली रखे मिठाई के डिब्बों या किसी सामान के साथ आए कार्डबोर्ड बॉक्स से भी बहुत अद्भुत चीजें बनाई जा सकती हैं। चलो इनमें से कुछ आइडियाज हम तुमसे शेयर करते हैं और चित्रों के माध्यम से भी तुम्हें आइडियाज देते हैं।

ग्रीटिंग्स और अन्य कार्ड्स

रंगबिरंगे ग्रीटिंग कार्ड्स या शादी और अन्य तरह के ओकेजन्स पर घर में आने वाले कार्ड्स अक्सर बहुत सुन्दर डिजाइन के साथ आते हैं। इनके रंग और डिजाइंस का उपयोग आसानी से सीनरी या वॉल पीस बनाने में किया जा सकता है। तुम चाहो तो इसके साथ कलर्ड पेपर शीट्स का भी उपयोग कर सकते हो। तो सबसे पहले एक बड़ी शीट लेकर उस पर अपनी कल्पना से किसी सीन की आउटलाइन खींचो। जैसे पेड़, फूल, आसमान, जानवर या अन्य चीजें। अब कार्ड्स के रंग के अनुसार और अपने सोचे सीन के अनुसार कार्ड्स में से अलगअलग आकार कैंची की मदद से काट लो। यहां एक बात का खास ध्यान रखना कि कैंची का उपयोग करते समय बहुत सावधानी रखो और हो सके तो किसी बड़े की मदद भी लो। अब काटे गए कार्ड पीसेस को शीट पर किसी भी एड्हेसिव की सहायता से चिपका दो। तुम चाहो तो किसी खास रंग के लिए एक्रेलिक कलर्स का भी उपयोग कर सकते हो और चाहो तो कलर्ड शीट भी यूज कर सकते हो। यही नहीं, चीजों को और भी क्रिएटिव बनाने के लिए ऊन या धागों, बटन्स या बीड्स जैसी चीजों को भी यूज कर सकते हो।

कार्डबोर्ड बॉक्सेस

मिठाई के डब्बे हों या किसी अन्य सामान के साथ आए गत्ते यानी कार्डबोर्ड के मजबूत बॉक्स। इनका प्रयोग भी एक आर्ट पीस बनाने के लिए किया जा सकता है। इसके लिए भी तुम्हें कुछ कलर पेपर, एक्रेलिक या वॉटर कलर, क्रेयॉन्स, कैंची और एड्हेसिव की जरूरत होगी। कैंची के लिए यहां भी वैसी ही सावधानी रखनी होगी। मिठाई के डिब्बों से तुम सोफे, गाड़ी, मोबाइल कवर, छोटी शेल्फ या घर आदि बना सकते हो तो कार्डबोर्ड के मजबूत टुकड़ों या पूरे बॉक्स से तुम अपने लिए मॉड्यूलर किचन से लेकर बड़ा ट्रक, बड़ी शेल्फ, फ्रिज, टीवी, ज्वैलरी बॉक्स, फर्नीचर, एक डॉल हाउस, छोटा-सा शहर आदि जैसी कई चीजें बना सकते हो। जरूरत बस अपनी कल्पना को रंग देने की है।

जापानी स्कूल्स जहां मैथ्स एक लैंग्वेज है

जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। यह एक खास बात है कि किसी भी देश के डेवलपमेंट के लिए उसके नागरिकों का पढ़ा-लिखा होना बहुत जरूरी है। इस बात को जापान के उदाहरण से समझा जा सकता है। जापान में प्रायमरी लेवल पर स्कूल जाने वाले बच्चों का पर्सेंटेज है 100। यानी यहां निरक्षर लोगों का पर्सेंटेज है 0। जापान के स्कूल्स में बड़ी क्लासेस में आने पर सभी स्टूडेंट्स के लिए सेम यूनिफॉर्म और सेम बैग्स होते हैं। स्कूल में सबको एक जैसा खाना दिया जाता है। यहां स्कूली लेवल पर छोटी क्लास से ही इस बात पर ध्यान दिया जाता है कि बच्चे का सबसे पसंदीदा काम क्या है और इसी बात को ध्यान में रखकर उसे आगे बढ़ने को प्रेरित किया जाता है। जैसे अगर बच्चा साइंस और मैथ्स की बजाय किसी तरह के आर्ट फॉर्म या काम को सीखना चाहता है, तो उसे बेसिक एज्युकेशन के साथ उस काम को ही सिखाया जाता है। फिर चाहे वो काम जूते बनाने का हो या लकड़ी से सुन्दर फर्नीचर बनाने का। किसी भी काम को छोटा नहीं माना जाता। इससे बच्चा अपना पसंदीदा काम सीख पाता है और देश को मिलता है एक अच्छा कारीगर।

जापान में बच्चों को मैथ्स और साइंस जैसे सब्जेक्ट्स भी लैंग्वेज और आर्ट की तरह पढ़ाए जाते हैं और बजाय मैथ्स को रटने के उसे खेल-खेल में सीखा जाता है। टीचर्स मानते हैं कि दूसरी लैंग्वेजेस की तरह ही मैथ्स को भी पढ़ा जा सकता है। यहां टीचर्स एक और टैक्नीक अपनाते हैं। वो है बच्चों को ही टीचर का रोल भी निभाने को कहना। इसके लिए मैथ्स के प्रॉब्लम्स को बोर्ड पर लिख कर बच्चों से सॉल्व करने को कहा जाता है। फिर जब कोई बच्चा उस प्रॉब्लम को सॉल्व कर लेता है तो उसे टीचर बनकर दूसरे स्टूडेंट को प्रॉब्लम सॉल्व करने में मदद को कहा जाता है। इस तरह क्लास का हर बच्चा खुद प्रॉब्लम सॉल्व करने की कोशिश कर पाता है और टीचर कोई भी समस्या आने पर बच्चों की मदद भी कर पाते हैं। जापानियों का मानना है कि आप जो पढ़ते हो उसे अगर किसी को पढ़ाते हो तो चीजों को ज्यादा अच्छे से याद रख पाते हो। पढ़ाई के साथ ही यहां देश के कल्चर, भाषा और इतिहास को भी उतनी ही गहराई से बच्चों तक पहुंचाया जाता है। स्कूल की पढ़ाई के साथ ही बच्चों को ड्रिल, स्वीमिंग आदि जैसी एक्टिविटीज अपनाना कम्पलसरी होता है। ताकि वो खुद को फिट और मजबूत बना सकें। यहां भूकम्प तथा अन्य इमरजेंसियों के हिसाब से बच्चों को बहुत कम उम्र से ही बचाव की ट्रेनिंग भी दी जाती है। यही नहीं बच्चे सिलाई, कुकिंग, ट्रेडिशनल आर्ट फॉर्म आदि भी स्कूल में रहकर सीखते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

अमेरिका में कोरोना वायरस से संक्रमिल लोगों की संख्या बढ़ी , रोजाना एक लाख से भी ज्यादा मामले

बाल्टीमोर। अमेरिका में हर दिन कोविड-19 के औसतन 1,00,0000 नए मामले आ रहे हैं, जो सर्दियों में चरम पर पहुंचे मामलों से अधिक हैं। अत्यधिक संक्रामक डेल्टा स्वरूप के कारण पिछले महीने संक्रमण के मामले और अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या अत्यधिक बढ़ गयी। देश में जून के अंत से ही हर दिन औसतन 11,000 मामले आ रहे है। अब यह संख्या 1,07,143 है। यह वायरस उन लोगों में तेजी से फैल रहा है जिन्होंने टीका नहीं लगवाया है। फ्लोरिडा, लुइसियाना और मिसीसिप्पी में अस्पताल मरीजों से भर गए हैं। अमेरिका में पहली बार नवंबर में संक्रमण के औसत मामले 1,00,000 के पार गए थे और जनवरी की शुरुआत तक करीब 2,50,000 पर पहुंच गए थे।

जुलाई में बढ़ोतरी के बीच अमेरिकी बेरोजगारी घटकर 5.4 प्रतिशत

वाशिंगटन। अमेरिका में जुलाई में बेरोजगारी दर गिरकर 5.4 प्रतिशत हो गई, जबकि कोविड-19 के फिर से शुरू होने के साथ ही 943,000 नौकरियों का सृजन भी हुआ। इसकी जानकारी श्रम विभाग ने दी। विभाग के श्रम सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा शुक्रवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, नवीनतम आंकड़ों में जून में 938,000 की संशोधित संशोधित वृद्धि और मई में 614,000 की संशोधित बढ़ोतरी हुई है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने रिपोर्ट के हवाले से कहा कि जुलाई में, अवकाश और आतिथ्य में, स्थानीय सरकारी शिक्षा में और पेशेवर और व्यावसायिक सेवाओं में नौकरी का फायदा उल्लेखनीय था। रिपोर्ट में कहा गया है कि अवकाश और आतिथ्य में रोजगार में 380,000 की बढ़ोतरी हुई, खाद्य सेवाओं और पीने के स्थानों में दो-तिहाई नौकरी हासिल हुई, लेकिन यह ध्यान में रखते हुए कि यह आंकड़ा 1.7 मिलियन या 10.3 प्रतिशत, इसके पूर्व-महामारी स्तर से कम था। पिछले महीने में अप्रत्याशित रूप से 0.1 प्रतिशत अंक बढ़कर 5.9 प्रतिशत हो जाने के बाद, बेरोजगारी दर 0.5 प्रतिशत घटकर 5.4 प्रतिशत हो गई।

बिगड़ते मानवीय संकट के बीच यमन में कोविड मामले बढ़े

सना। यमन की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार ने पिछले हफ्तों के दौरान सापेक्ष गिरावट के बाद दैनिक कोविड -19 मामलों में एक नई वृद्धि दर्ज की है क्योंकि युद्धग्रस्त देश भी सबसे खराब मानवीय संकट का सामना कर रहा है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार द्वारा नियंत्रित यमनी प्रांतों में, स्वास्थ्य अधिकारियों ने दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन और पड़ोसी शहरों में आधिकारिक तौर पर 27 नए पुष्ट मामले दर्ज किए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि आधिकारिक तौर पर अदन में 15 नए मामले, हद्रामौत प्रांत में पांच, शबवा प्रांत में तीन, तैज प्रांत में दो और लाहज प्रांत में दो नए मामले सामने आए, जिससे कुल पुष्ट मामले 7,131 हो गए। उन्होंने कहा कि चिकित्सा टीमों ने देश के दक्षिणपूर्वी प्रांत हद्रामाउट में एक मौत दर्ज की, जिससे वायरस से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,384 हो गई। पिछले हफ्ते, संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी थी कि कोविड के पुनरुत्थान ने आशंकाओं को जन्म दिया है कि युद्धग्रस्त अरब देश महामारी की तीसरी लहर का सामना कर रहा है।

बाइडन एडमिन ने छात्र ऋण पर रोक लगाई

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने घोषणा की है कि वह संघीय छात्र ऋण पर रोक को आखिरी बार 31 जनवरी, 2022 तक बढ़ा रहा है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने शिक्षा सचिव मिगुएल कार्डोना के एक बयान में कहा, भुगतान विराम एक जीवन रेखा रहा है जिसने लाखों अमेरिकियों को राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान छात्र ऋण के बजाय अपने परिवार, स्वास्थ्य और वित्त पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति दी। बयान में कहा गया है, विभाग का मानना है कि यह अतिरिक्त समय और एक निश्चित समाप्ति तारीख उधारकर्ताओं को भुगतान फिर से शुरू करने की योजना बनाने और फिर से शुरू होने के बाद अपराध और चूक के जोखिम को कम करने की अनुमति देगा। देश में छात्र ऋण भुगतान रोक दिया गया है क्योंकि कांग्रेस ने पिछले साल केयर्स अधिनियम पारित किया था, लेकिन सितंबर में समाप्त होने वाला था। इस ठहराव के दौरान, उधारकर्ताओं को भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है और उनकी शेष राशि पर ब्याज नहीं लगेगा। स्थानीय विश्लेषकों ने कहा कि देश के 1.6 ट्रिलियन डॉलर के छात्र ऋण बिलों को इकट्ठा करना सामान्य समय में भी एक कठिन काम है।

कोविड के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ साझेदारी जारी रखने को उत्सुक: अमेरिका

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस की ओर से कहा गया है कि कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ निरंतर साझेदारी करने और टीकों के रूप में सहायता प्रदान करने के लिए बाइडन प्रशासन उत्सुक है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने यहां संवाददाताओं में कहा कि भारत को टीके उपलब्ध करवाने में देरी अमेरिकी की वजह से नहीं हो रही।

उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, ''हम जब टीके भिजवा रहे हैं तो कहीं-कहीं पर कानूनी या नियामक मुद्दे सामने आ रहे हैं जिन्हें प्रत्येक देश के मुताबिक सुलझाना होगा।'' साकी ने कहा, ''यह रूकावट हमारी तरफ से नहीं आ रही बल्कि हम तो भारत के लोगों तक टीके पहुंचाने, उन्हें निरंतर सहायता देने के लिए उत्सुक हैं और वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से निबटने को लेकर लगातार मदद देना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम उनके साथ लगातार सहयोग करने को उत्सुक हैं, टीकों के साथ-साथ उन्हें निरंतर सहायता देना चाहते हैं।

अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार के लिए सहमति बनाने को दिया समर्थन

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार पर भारत के जोर देने के बीच अमेरिका ने कहा कि वह स्थायी और अस्थायी दोनों सदस्यों के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार के लिए आम सहमति बनाने का समर्थन करता है बशर्ते इसकी प्रभावकारिता या क्षमता कम न हो और इसमें वीटों में परिवर्तन या उसका विस्तार न हो। अगस्त महीने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता भारत के पास होने के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में बृहस्पतिवार को पत्रकारों से कहा कि अमेरिका सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता समेत संयुक्त राष्ट्र में भारत के साथ काम करने को लेकर अहमियत देता है।

उन्होंने कहा, ''हम स्थायी और अस्थायी दोनों सदस्यों के लिए सुरक्षा परिषद के मामूली विस्तार के लिए सहमति बनाने का समर्थन करते हैं बशर्ते इसकी प्रभावकारिता या क्षमता कम न हो और इसमें वीटो में परिवर्तन या उसका विस्तार न हो।'' वह उस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या बाइडन प्रशासन को लगता है कि भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य होना चाहिए। प्राइस ने कहा, ''हमारा मानना है कि सुरक्षा परिषद में ऐसा सुधार होना चाहिए, जिसमें सभी का प्रतिनिधित्व हो, प्रभावी हो और जो अमेरिका तथा संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों के हित में प्रासंगिक हो। हम आगामी हफ्तों में सुरक्षा परिषद के संदर्भ में भारत के साथ निकटता से काम करने के अवसर को लेकर काफी उत्साहित हैं।'' गौरतलब है कि सुरक्षा परिषद में लंबे समय से अटके सुधार के लिए संयुक्त राष्ट्र में प्रयासों में भारत अग्रणी रहा है। उसका कहना है कि उसे संयुक्त राष्ट्र में स्थायी सदस्य के तौर पर जगह मिलनी चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र महासभा का अगला सत्र सितंबर में होगा। अभी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी और 10 अस्थायी सदस्य देश हैं। ये पांच स्थायी सदस्य रूस, ब्रिटेन, चीन, फ्रांस और अमेरिका हैं तथा ये देश किसी भी प्रस्ताव पर वीटो कर सकते हैं। सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने की मांग बढ़ रही है। प्राइस ने कहा कि भारत और अमेरिका के कई साझा मूल्य और साझा हित हैं। उन्होंने कहा, ''निश्चित तौर पर हमारी भारत के साथ व्यापक रणनीतिक भागीदारी है जो हमें कई स्तरों पर एकजुट करती है। हम इस महीने संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद के संदर्भ में भारत सरकार के साथ बहुत निकटता से काम करने को लेकर तत्पर हैं।

नाइजीरिया में 44 लाख लोग गंभीर भोजन की कमी का सामना कर रहे हैं: संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने कहा कि आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों सहित अनुमानित 44 लाख लोग पूर्वोत्तर नाइजीरिया में भोजन की गंभीर कमी का सामना कर रहे हैं। समाचार एजेंसी ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के उप प्रवक्ता फरहान हक के हवाले से कहा कि मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने चेतावनी दी है कि उनमें से 775,000 लोगों को विनाशकारी खाद्य असुरक्षा का अत्यधिक खतरा है। हक ने कहा, यह चार वर्षों में सबसे खराब दृष्टिकोण है। निरंतर धन के बिना, बोर्नो, अदामावा और योबे राज्यों में लाखों लोग संघर्ष, कोविड -19, उच्च खाद्य कीमतों और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के कारण दुबले मौसम के दौरान खुद को खिलाने के लिए संघर्ष करेंगे। फसल के बीच, साहेल में दुबला मौसम मई से अगस्त है। प्रवक्ता के मुताबिक, इस साल कम बारिश ने किसानों के उत्पादन को कम कर दिया, जिससे फसल की आबादी सितंबर की फसल तक ले जाने के

लिए कम हो गई। उन्होंने कहा, हमारे सहयोगी हमें बताते हैं कि नाइजीरिया में 87 लाख लोगों को तत्काल सहायता की जरूरत है, जिसमें 22 लाख विस्थापित लोग भी शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र और मानवीय सहयोगी उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में भोजन वितरण बढ़ाने के लिए सरकार और स्थानीय अधिकारियों के साथ काम करते हैं। लेकिन सहायता कर्मियों और संपत्तियों को निशाना बनाने वाली हिंसा में वृद्धि ने इसे मुश्किल बना दिया है। बोको हराम और अन्य गैर-सरकारी तत्वों को इस साल की शुरूआत में हिंसा में पुनरुत्थान के लिए दोषी ठहराया गया है। नाइजीरिया के लिए संयुक्त राष्ट्र की मानवीय प्रतिक्रिया योजना केवल 100 करोड़ से अधिक की मांग करती है। ओसीएचए ने कहा, यह केवल एक तिहाई वित्त पोषित है।

इजरायल के पीएम ने अमेरिका में नए राजदूत की नियुक्ति की

तेल अवीव, (एजेंसी)।

इजरायल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने सेना के दिग्गज माइकल हजरेग को अमेरिका में देश का राजदूत नियुक्त किया है।

ट्विटर पर बेनेट ने घोषणा की, माइक सही समय पर सही व्यक्ति है। आईडीएफ (इजरायल रक्षा बलों) में अपनी 40 वर्षों की सेवा के दौरान, उन्होंने कई वरिष्ठ पदों पर कार्य किया और वर्षों में कई राजनीतिक बातचीत सक्रिय में भाग लिया। उनका अनुभव, कौशल और सुरक्षा और राजनीतिक क्षेत्र की समझ हमारे सबसे करीबी दोस्त (अमेरिका) के साथ संबंधों को प्रबंधित करने में हमारी मदद करेगी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 69 वर्षीय हजरेग ने आईडीएफ में कई वरिष्ठ पदों पर कार्य किया है, जिसमें रणनीतिक योजना के प्रमुख, रक्षा मंत्री के चीफ ऑफ स्टाफ और सैन्य सचिव शामिल हैं। सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद, उन्होंने कई प्रधानमंत्रियों के तहत राजनीतिक वार्ता में भाग लिया और 2009 और 2014 के बीच पूर्व प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की ओर से एक विशेष राजनीतिक दूत के रूप में कार्य किया। वह इजरायल के राष्ट्रपति इसहाक हजरेग के भाई हैं। प्रधानमंत्री के अधिकारी द्वारा जारी एक बयान कहा, प्रधानमंत्री बेनेट ने सुरक्षा और राजनीतिक क्षेत्रों में अपने समृद्ध अनुभव और ईरानी परमाणु कार्यक्रम सहित इजरायल के सामने रणनीतिक मुद्दों के अपने गहन ज्ञान के कारण हजरेग को राजदूत के रूप में नियुक्त करने का फैसला किया। हजरेग गिलाद एर्डन की जगह लेंगे, जिन्हें जून में नई बेनेट के नेतृत्व वाली सरकार के उद्घाटन के दो सप्ताह बाद अमेरिका में राजदूत के रूप में अपनी भूमिका पूरी करने के लिए कहा गया था। एर्डन को इस साल जनवरी में नियुक्त किया गया था। वह संयुक्त राष्ट्र में इजरायल के दूत के रूप में काम करना जारी रखेंगे।

गुब्बारों में आगजनी के जवाब में इजरायल ने गाजा पर हमला किया

तेल अवीव, (एजेंसी)।

इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने शनिवार को कहा कि वायु सेना ने गाजा पट्टी में हमले किए, जो यहूदी राज्य में तटीय क्षेत्र से आगजनी के गुब्बारों के लगातार प्रक्षेपण के जवाब में आया था।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने आईडीएफ के हवाले से कहा कि इजरायली लड़ाकू विमानों ने गाजा पट्टी को नियंत्रित करने वाले फिलिस्तीनी इस्लामिक हमास मूवमेंट के एक सैन्य परिसर और रॉकेट लॉन्चिंग साइट पर हमला किया। आईडीएफ ने कहा, रॉकेट लॉन्चिंग साइट एक नागरिक क्षेत्र में थी और एक बार

फिर इस बात पर जोर दिया गया कि हमास फिलिस्तीनी नागरिकों को कैसे खतरे में डालता है। इजरायल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी समाचार ने बताया कि आग लगाने वाले गुब्बारों से गाजा पट्टी के करीब देश के क्षेत्र में चार जंगल में आग लग गई। इससे पहले शुक्रवार को, आईडीएफ ने कहा कि उसने बेरूत द्वारा इजरायली क्षेत्र में 10 से ज्यादा रॉकेट दागे जाने के जवाब में दक्षिणी लेबनान में लक्ष्य पर तोपखाने के गोले दागे थे। अधिकांश रॉकेट इजरायल के एंटी-रॉकेट आयरन डोम रक्षा प्रणाली द्वारा अवरोधित किए गए थे और बाकी खुले क्षेत्रों में उतरे थे। इजरायल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स और उत्तरी इजरायल के गलील पैनहैंडल इलाके में दागे गए रॉकेटों से कोई हताहत नहीं हुआ।

सिंगापुर : भारतीय समुदाय से सार्वभौमिक वैश्विक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अनुरोध

सिंगापुर। (एजेंसी)।

सिंगापुर के सांसद ने यहां के भारतीय कारोबारी समुदाय से आपस में जुड़ाव रखने वाले सार्वभौमिक वैश्विक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अनुरोध किया है। सत्तारूढ़ 'पीपल्स एक्शन पार्टी' के सदस्य विक्रम नायर ने भारतीय समुदाय से कहा कि वैश्विक बहुराष्ट्रीय समुदाय की गहरी समझ विकसित करने के लिए वे और प्रयास करें। सिंगापुर इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स ऐंड इंडस्ट्री (एसआईसीसीआई) की ओर से शुक्रवार को आयोजित 56वें 'नेशनल डे ऑब्जर्वेंस' समारोह में उन्होंने भारतीय कारोबारी समुदाय की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

नायर ने कहा, ''हमारे राष्ट्रीय दिवस समारोह की इस वर्ष की थीम है 'टुगेदर, अवर सिंगापुर स्प्रिरिट' जो आज यहां मौजूद लोगों में वास्तव में झलक रही है क्योंकि यहां पर राष्ट्र के 56वें राष्ट्रीय दिवस का जश्न मनाने के लिए विभिन्न भारतीय संगठनों और चैंबर के सदस्य मौजूद हैं।'' एसआईसीसीआई ने अन्य संगठनों के साथ मिलकर भारतीय कोविड राहत कोष के लिए दस लाख सिंगापुर डॉलर की राशि जुटाई है जो सिंगापुर रेड क्रॉस को भारत में मानवीय संकट से निबटने में मदद देने के लिए चिकित्सा उपकरण एवं आपूर्तियों की खरीद के लिए दी गई है।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 'नेशनल डे सेरेमोनियल परेड' सोमवार को होगी जिसमें सिंगापुर सशस्त्र बलों और होम टीम के करीब 600 सदस्य हिस्सा लेंगे। इस वर्ष की राष्ट्रीय दिवस परेड को 21 अगस्त के लिए स्थगित कर दिया गया है और राष्ट्रीय दिवस के दिन रस्मी परेड का आयोजन हो रहा है। ऐसा कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर एहतियाती तौर पर किया जा रहा है।

अमेरिका ने भारत को टीके की सिर्फ 75 लाख खुराक दी, जो पर्याप्त नहीं है: राजा कृष्णमूर्ति

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

शीर्ष भारतवंशी अमेरिकी सांसद ने कहा है कि अमेरिका ने भारत को कोविड-19 रोधी टीके की सिर्फ 75 लाख खुराकें आवंटित की है जो पर्याप्त नहीं है। उन्होंने जो बाइडन प्रशासन से इस संबंध में और किए जाने का अनुरोध किया। सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने भारत और अन्य देशों में अमेरिकी वैश्विक टीका सहायता कार्यक्रमों का विस्तार करने के अपने प्रयासों पर कांग्रेस के 116 सदस्यों का समर्थन हासिल करने के बाद यह बात कही। उनका यह बयान ऐसे वक्त आया है जब व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ साझेदारी जारी रखने को लेकर तत्पर है और टीके समेत अन्य सहायता मुहैया कराना चाहता है।

कृष्णमूर्ति ने एक बयान में कहा, ''मैं एक बार फिर राष्ट्रपति बाइडन और कांग्रेस में अपने सहयोगियों से आग्रह कर रहा हूं कि मानवता की भलाई की खातिर इस महामारी को समाप्त करने के लिए एक साथ आएं और नोविड अधिनियम को कानून में बदलें क्योंकि जब तक किसी भी देश में इसका प्रकोप जारी रहेगा, पूरी दुनिया को नए खतरे का सामना करना पड़ेगा।'' उन्होंने कहा, ''भारत का स्वतंत्रता दिवस करीब है, हमें इस महामारी को वास्तव में समाप्त करने के लिए आवश्यक अरबों टीकों के उत्पादन और वितरण के लिए जरूरी वैश्विक साझेदारी बनाकर कोविड से अपनी स्वतंत्रता की घोषणा करने की आवश्यकता है।'' राजा कृष्णमूर्ति ने सीनेटर जेफ मर्कले, एलिजाबेथ वारेन और भारतवंशी महिला सांसद प्रमिला जयपाल के साथ मिलकर नोविड अधिनियम पेश किया जिसके तहत महामारी के संदर्भ में वैश्विक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया पर नजर रखने के लिए अमेरिका महामारी तैयारी और प्रतिक्रिया कार्यक्रम (पैनपीआरईपी) स्थापित करेगा।

अफगानिस्तान में तालिबान ने सरकारी मीडिया केंद्र के प्रमुख की हत्या के बाद दक्षिणी शहर पर किया कब्जा

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में तालिबान ने शुक्रवार को हमला करके अफगान सरकार के सरकारी मीडिया केंद्र के निदेशक की हत्या कर दी। यह हाल के दिनों में किसी सरकारी अधिकारी की हत्या किये जाने का नवीनतम मामला है। यह घटना ऐसे समय हुई है जब कुछ ही दिन पहले देश के कार्यवाहक रक्षा मंत्री की हत्या का प्रयास किया गया था। सरकारी मीडिया केंद्र के निदेशक की हत्या ऐसे समय की गई है जब तालिबान और अधिक क्षेत्रों को अपने नियंत्रण में करने के लिए आगे बढ़ रहा है क्योंकि अमेरिकी और नाटो बल महीने के अंत तक अफगानिस्तान से अपनी वापसी पूरी कर लेंगे।

तालिबान पिछले कई महीनों से पूरे अफगानिस्तान में संघर्ष कर रहा है और छोटे प्रशासनिक जिलों को अपने नियंत्रण में लेने के बाद अब प्रांतीय राजधानियों को नियंत्रण में करने की कोशिश कर रहा है। इस बीच, प्रतीत होता है कि तालिबान ने शुक्रवार को दक्षिणी निमरूज प्रांत की राजधानी जरंज पर कब्जा कर लिया। हालांकि यह जीत प्रतीकात्मक है, लेकिन इसे बड़ी जीत माना जा रहा है। सरकार ने दावा किया है कि शहर के अहम बुनियादी ढांचों पर लड़ाई अब भी जारी है और जरंज पर कब्जा नहीं हुआ है, लेकिन तालिबाान ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें जारी की हैं, जिनमें स्थानीय हवाई अड्डे और शहर के प्रवेश बिंदुओं पर तालिबानी दिख रहे हैं। प्रांत के गवर्नर अब्दुल करीम बरहावी जरंज से भागकर शांतिपूर्ण चाहर बुर्जक जिले में शरण के लिए गए, जहां स्थानीय जातीय बलूच आबादी ने उन्हें संरक्षण दिया है।

तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने बताया कि लड़ाकों ने दावा खान मेनापाल को मार डाला है जो स्थानीय और विदेशी मीडिया के लिए अफगानिस्तान सरकार का प्रेस अभियान संचालित करते थे। वह पूर्व में अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी के उप प्रवक्ता रह चुके थे। गृह मंत्रालय के उप प्रवक्ता सैद हामिद रुशान ने कहा कि मेनापाल की हत्या साप्ताहिक जुमे की नमाज के वक्त हुई। गोलीबारी के बाद अफगान बल काबुल के उस इलाके में फैल गए जहां मेनापाल की तब हत्या कर दी गई जब वह अपनी कार में जा रहे थे। मुजाहिद ने बाद में जारी एक बयान में कहा कि मेनापाल को ''मुजाहिदीन के एक विशेष हमले में मारा गया'' और ''उसे उसके कृत्यों के लिए दंडित किया गया।'' तालिबान द्वारा सरकारी अधिकारियों की हत्या असामान्य नहीं है। नागरिकों के खिलाफ हाल में किये गए कई हमलों की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट द्वारा ली गई है, हालांकि सरकार अक्सर तालिबान को जिम्मेदार ठहराती है। इस सप्ताह मंगलवार को अफगानिस्तान के कार्यवाहक रक्षा मंत्री बिस्मिल्लाह खान मोहम्मदी को

निशाना बनाकर तालिबान द्वारा काबुल के एक भारी सुरक्षा वाले इलाके में किए गए बम हमले में कम से कम आठ लोग मारे गए थे और 20 अन्य घायल हो गए थे। हालांकि इसमें मंत्री को कोई नुकसान नहीं हुआ।

इस बीच, अफगान और अमेरिकी विमानों ने शुक्रवार को दक्षिणी अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत में तालिबान के ठिकानों पर हमला किया, क्योंकि विद्रोहियों ने पड़ोसी देश पाकिस्तान के साथ एक प्रमुख सीमा को बंद कर दिया था। हेलमंद की प्रांतीय राजधानी लश्कर गाह के निवासियों ने कहा कि हवाई हमलों में शहर के केंद्र में स्थित एक बाजार नष्ट हो गया जो तालिबान द्वारा नियंत्रित क्षेत्र था। अफगान अधिकारियों का कहना है कि तालिबान का अब शहर के 10 में से नौ जिलों पर नियंत्रण है। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र की दूत डेबोरा लियोन्स ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक विशेष बैठक में कहा कि भीषण होती लड़ाई में लोगों की मौत होना चिंताजनक है।

सूरत के तापी नवाड़ी ओवारा में कांग्रेस का विरोध, शुद्धि और रिवरफ्रंट के सपने दिखाकर उड़ाए करोड़ों रूपये

क्रांति समय

कांग्रेस द्वारा विकास अनुसंधान कार्यक्रम के तहत विकास के मुद्दे पर कार्यक्रम दिए जा रहे हैं। भाजपा के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ता आज सूरत के नवाड़ी ओवारा पहुंचे। रूपाणी सरकार जहां विकास दिवस मना रही है, वहीं कांग्रेस विकास अनुसंधान का कार्यक्रम पेश कर सांकेतिक रूप से विरोध कर रही है. भाजपा सरकार विकास की बड़ी-बड़ी बातें कर रही है और हकीकत के विपरीत सूरत में अगस्त 2006 में बाढ़ आ गई थी। काफी तबाही हुई थी और कांग्रेस द्वारा सरकार की विफलता के आरोप लगाए गए थे। भाजपा सरकार विकास की बड़ी-बड़ी बातें करती है लेकिन हकीकत इसके उलट है। करोड़ों रूपये के फंड का इस्तेमाल सूरत के लोगों को रिवरफ्रंट के बड़े सपने दिखाकर किया गया है.

पुलिस ने कार्यकर्ताओं और नेताओं को उस समय हिरासत में ले लिया.

रूपाणी सरकार के पांच वर्ष पूर्ण होने पर विकास दिवस पर गुजरात में बरसी विकास कार्यों की बौछार

क्रांति समय

अहमदाबाद,गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के आज पांच साल पूर्ण हो गए। भाजपा सरकार के पांच साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राज्यभर में 1 अगस्त से 9 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इसके अंतर्गत शनिवार को राज्य में विकास दिवस मनाया गया है। विकास दिवस के अवसर पर गांधीनगर के महात्मा मंदिर में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल की उपस्थिति में आयोजित आज के कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी वर्च्युअली शामिल हुए। विकास दिवस के अवसर पर आज राज्य की जनता के कल्याण के लिए 3322 करोड़ रूपए से अधिक के कार्यों का लोकार्पण और 1961 करोड़ रूपए से अधिक के कार्यों का शिलान्यास अर्थात लगभग 5300 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर से ई-शिलान्यास और ई-लोकार्पण किया गया। इसके अंतर्गत ग्राम विकास विभाग के कुल 1084 करोड़ रूपए से अधिक के कार्य, सड़क एवं भवन विभाग के कुल 1620 करोड़ से अधिक के कार्य, शहरी विकास और शहरी गृह निर्माण विभाग के 378 करोड़ रूपए से अधिक, जल संसाधन विभाग के 1220 करोड़ से अधिक, जलापूर्ति विभाग के 396 करोड़ रूपए के कार्य, ऊर्जा एवं पेट्रोकेमिकल्स विभाग के 285 करोड़ रूपए से अधिक के कार्य, बंदरगाह और परिवहन विभाग के 52 करोड़ रूपए से अधिक के कार्य और श्रम एवं रोजगार विभाग के 244 करोड़ रूपए से अधिक के कार्यों का ई-शिलान्यास और लोकार्पण महानुभावों ने किया। इसके अलावा, गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम (एसटी) के 255 करोड़ रूपए के खर्च से 151 बसों, 5 बस स्टेशन और एक विभागीय कार्यालय का लोकार्पण किया गया। आज विकास दिवस के अवसर पर पंचायत और ग्राम गृह निर्माण विभाग की 'वतन प्रेम योजना' के वेब पोर्टल का लोकार्पण किया गया।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

एसआरपी जवान ने धर्म छिपाकर हिन्दू विवाहिता को प्रेमजाल में फांस दुष्कर्म किया

क्रांति समय

वडोदरा,शहर में हिन्दू विवाहिता महिला के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है। एसआरपी जवान ने अपना धर्म छिपाकर हिन्दू विवाहिता को अपने प्रेमजाल में फांस कर उसके साथ वडोदरा और सूरत में अनेकों बार दुष्कर्म किया। विवाहिता ने वडोदरा के सयाजीगंज पुलिस थाने में आरोपी समेत उसके परिवार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वडोदरा निवासी विवाहिता सोशल मीडिया के जरिए सूरत के सलाबतपुरा के अलकबीर कॉम्प्लेक्स में रहनेवाले और जामनगर में बतौर एसआरपी जवान सेवारत मोहमद एजाज इकबाल शेख से संपर्क हुआ था। जून 2020 में मोहमद एजाज ने विवाहिता को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी थी। फ्रेंड रिक्वेस्ट एक्सेप्ट करने के बाद मोहमद और विवाहिता के बीच बातचीत शुरूहुई, जो प्यार तक पहुंच गई। हांलाकि मोहमद एजाज ने विवाहिता को यह नहीं बताया कि वह मुसलमान है। मोहमद ने अनिल परमार के रूप में अपनी पहचान दी। महिला को प्रेमजाल में फांसने के बाद मोहमद ने उससे शादी करने और उसकी संतानों को अपनाने का भी प्रस्ताव किया। लेकिन विवाहिता ने यह कहते हुए मोहमद प्रस्ताव ठुकरा दिया कि वह शादीशुदा है और बच्चे भी हैं। विवाहिता के इंकार के बाद भी मोहमद ने उसका पीछा नहीं छोड़ा और उसका भरोसा जीकर उसके घर आने जाने लगा और दुष्कर्म करने लगा। मोहमद ने विवाहिता के साथ उसके घर ही नहीं बल्कि वडोदरा की होटल और सूरत स्थित अपने घर ले जाकर भी दुष्कर्म किया। विवाहिता को मोहमद के धर्म का पता उस समय चला जब उसने वडोदरा की होटल में अपना पहचान पत्र दिया। धर्म के बारे में महिला ने जब सवाल किया तो मोहमद ने कहा कि वह हिन्दू धर्म अपना लेगा और मैं अनिल परमार रूप में ही पहचाना जाता हूं।

सार-समाचार

नवसारी के निकट शरारती तत्वों ने रेलवे ट्रेक पर रखी लोहे की एंगल

नवसारी,गेंगमेन की सतर्कता और सूझबूझ से गुजरात में बड़ी ट्रेन दुर्घटना टल गई। ट्रेक पर लोहे की एंगल देख गेंगमेन ने फौरन स्टेशन मास्टर को सूचना दे दी, जिसकी वजह से उस ट्रेक से गुजरने वाली मेमू ट्रेन को रोक दिया। बाद में लोहे की एंगल हटाकर मेमू ट्रेन को रवाना किया गया। जानकारी के मुताबिक दक्षिण गुजरात के नवसारी में एक बड़ी साजिश का पर्दाफाश हुआ है। नवसारी के निकट ट्रेन को पलटाने की कोशिश का खुलासा होने के बाद रेल प्रशासन और पुलिस हरकत में आ गई है। गांधी स्मृति स्टेशन से नवसारी के बीच रेलवे ट्रेक पर लोहे की एंगल रखी गई थी, जिससे ट्रेन पलटने से बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। लेकिन समय रहते गेंगमेन सुबोध कुमार महेश्वरी प्रसाद ने लोहे की एंगल देख ली और तुरंत स्टेशन मास्टर को घटना से अवगत कराया। जिस ट्रेक पर लोहे की एंगल रखी थी, उसी ट्रेक से मेमू ट्रेन गुजरने वाली थी। गेंगमेन से मिली सूचना के बाद स्टेशन मास्टर ने मेमू ट्रेक रोक ली। गेंगमेन की सतर्कता और सूझबूझ की वह से एक बड़ी रेल दुर्घटना टल गई। वलसाड रेलवे पुलिस थाने में अज्ञात शख्सों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

शराब पीकर वाहन चलाते ड्राइवर पर लगाम लगाना जरूरी : मोढवाडिया

गुजरात प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अर्जुन मोढवाडिया ने शराब का सेवन कर अंधाधुं वाहन चलाने वाले ड्राइवरों पर लगाम लगाने की मांग की है। उत्तरी गुजरात के पाटन शहर में हुई दुर्घटना का सीसीटीवी फूटेज साझा करते हुए मोढवाडिया ने कहा कि तेज रफ्तार ट्रक ड्राइवर ने दूध सागर डेयरी से नौकरी कर लौट रहे अजय रामाभाई चौधरी को कुचल दिया। अजय मौत से चौधरी परिवार ने अपना आधारस्तंभ गंवा दिया है। मोढवाडिया ने कहा कि यह सवाल केवल एक युवक तक सीमित नहीं है। आज गुजरात में शराब के नशे में धुत्त होकर अंधाधुंध वाहन चलाने वाले ड्राइवर पागल सांढ की तरह कई परिवारों को उजाड़ रहे हैं। लेकिन अपने देश का कानून इतना लाचार है कि किसी ड्राइवर को कोई सजा नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि गुजरात में शराब पीना अपराध है और शराब पीकर ड्राइविंग करना देशभर में अपराध है। शहरों में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध है। रात 11 बजे से पहले शहरी इलाकों में निजी भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध होने के बावजूद हप्ता सिस्टम के कारण ऐसे वाहनों को रोका नहीं जाता। नतीजतन पाटन जैसी दुर्घटनाएं होती हैं और निर्दोष लोगों की जान चली जाती है। ऐसे मामलों में दूसरे दिन जमानत मिल जाती है और ज्यादा से ज्यादा दो-चार महीने की सजा होती है। क्योंकि उनके पास भारी वाहन चलाने का लाइसंस है। अर्जुन मोढवाडिया ने सवाल किया कि क्या भारी वाहन चलाने का लाइसंस मिला है तो अंधाधुंध वाहन चलाकर निर्दोष लोगों को कुचलने की छूट मिल गई है ? यदि ऐसे मामलों में हमारा कानून लाचार है तो उसमें बदलाव करने की जरूरत है। ऐसे किसी के जीवन से खिलवाड करने का किसी कीमत पर किसी को भी लाइसंस नहीं दिया जा सकता।

सार समाचार

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कोटा में बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया

कोटा (राजस्थान)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कोटा जिले में बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। बाढ़ के कारण कई लोगों के अपने घरों में फंसे होने के बाद बचाव अभियान का नेतृत्व करने के लिए सेना को बुलाया गया है। कोटा के जिलाधिकारी उज्जवल राठौड़ ने बताया कि शनिवार की पूर्वाह्न 11 बजे तक जिले के बाढ़ प्रभावित सांगोद इलाके के विभिन्न स्थानों से 140 लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। उन्होंने बताया कि सांगोद में हालत नियंत्रण में है। अधिकारियों ने बताया कि बिरला ने सुबह एक हेलीकॉप्टर से बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया करेंगे बाढ़ ग्रसित छेत्रों का दौरा, अधिकारियों से करेंगे चर्चा

भोपाल। मध्य प्रदेश में लगातार बारिश के चलते बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। प्रदेश के कई गांव टापू में तब्दील हो गए हैं। बीते दिनों मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इन छेत्रों का निरीक्षण किया था। इसी कड़ी में शनिवार को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी बाढ़ प्रभावित इलाके का दौरा करेंगे। सिंधिया शनिवार को ग्वालियर पहुंचेंगे। आपको बता दें कि केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शनिवार रात 10 बजे सड़क मार्ग से ग्वालियर पहुंचेंगे। जिसके बाद रविवार सुबह हेलीकॉप्टर से अशोकनगर जिले के लिए रवाना होंगे। जिसके बाद रविवार सुबह 11 बजे गुना में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। शिवपुरी, पोहरी, भितरवार इलाके में बाढ़ प्रभावित इलाकों का भी दौरा करेंगे।

एसयूवी प्लांटिंग मामले में देरी के लिए महाराष्ट्र कांग्रेस ने एनआईए की आलोचना की

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस ने शनिवार को उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के पास 20 जिलेटिन स्टिक वाली एसयूवी लगाने की जांच में देरी के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की आलोचना की। राज्य पार्टी के प्रवक्ता सचिन सावंत ने मांग की कि 150 दिन से अधिक समय बीत चुका है और एनआईए को मामले में चार्जशीट दाखिल करने के लिए 30 दिन और दिए गए हैं, जबकि समय सीमा केवल 90 दिन है। एनआईए को इतने विस्तार की आवश्यकता क्यों है। लंबे समय से चली आ रही जांच का हवाला देते हुए उन्होंने जानना चाहा कि 25 फरवरी को सामने आए सनसनीखेज मामले में एनआईए कथित मास्टरमाइंड को कब पकड़ने जा रही है। सावंत ने मांग की, एनआईए विस्फोटक से लदी गाड़ी (एसयूवी स्कॉर्पियो) को एंटीलिया बिल्डिंग के पास रखने के असली मकसद का खुलासा कब करेगी। एसयूवी को मुंबई पुलिस ने 25 फरवरी को एंटीलिया इमारत के पास छोड़ दिया था और 20 जिलेटिन की छड़ें और अंबानी परिवार के लिए एक कथित धमकी नोट बरामद किया गया था।

मेरठ में होने वाले ब्राह्मण सम्मेलन के लिए बसपा ने झोंकी ताकत, भीड़ जुटाने का किया आह्वान

मेरठ। उत्तर प्रदेश में 2022 को होने वाले विधानसभा चुनाव में बसपा भी मजबूती के साथ उतर गई है। प्रदेश के ब्राह्मण मतदाताओं को लुभाने के लिए बसपा अब मेरठ में ब्राह्मण समाज के सम्मेलन करेगी। जातीय समीकरणों को साधते हुए जमीन मजबूत करने में जुटी बसपा 10 अगस्त को प्रबुद्ध ब्राह्मण सम्मेलन के जरिए सियासी जड़ें मजबूत करेगी। शुक्रवार को फूलबाग कॉलोनी स्थित पार्टी के जिला कार्यालय पर हुई मंडल स्तरीय की बैठक में रणनीति बनाई गई। मुख्य अतिथि पश्चिम उत्तर प्रदेश प्रभारी शमसुद्दीन राइन व मुख्य सेक्टर प्रभारी राजकुमार गौतम रहे। संचालन दिनेश काजीपुर ने किया। राइन ने कहा कि 10 तारीख को प्रबुद्ध ब्राह्मण महासम्मेलन की तैयारी जोर शोर से की जाए। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं से पहुंचने का आह्वान किया। उन्होंने भाजपा पर वार करते हुए कहा कि महंगाई ने लोगों का दम निकाला हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि जब भाजपा की केंद्र व राज्य में सरकार नहीं थी तो इनके नेता कभी गैस सिलेंडर लेकर सड़कों पर बैठ जाते थे। कभी सरकारी कार्यालयों पर धरना प्रदर्शन करते थे। वोट लेने के लिए यह ड्रामा भाजपा ने किया मगर जब जनता ने सरकार बना ली। तब गैस सिलेंडर और पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ा दिए। जनता भाजपा के ड्रामे को समझ चुकी है। इसलिए 2022 में ऐसी गलती नहीं करेगी।

आखिरकार बोम्मई ने कैबिनेट विभागों का किया आवंटन

बेंगलुरु। 29 मंत्रियों के शपथ लेने के चार दिन बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने शनिवार को कैबिनेट विभागों का बंटवारा कर दिया। बोम्मई ने वित्त, बेंगलुरु विकास और कैबिनेट मामलों के प्रमुख विभागों को अपने पास रखा। उत्तर कर्नाटक के भाजपा मंत्रियों को बड़े पद दिए जा रहे थे। नए शामिल किए गए वफादार पार्टी नेताओं को भी बड़े पदों से सम्मानित किया गया। पार्टी ने अरागा ज्ञानेंद्र को गृह विभाग का तोहफा दिया, जिसने सभी को हैरान कर दिया। भाजपा को सत्ता में लाने के लिए कांग्रेस और जद (एस) गठबंधन से इस्तीफा देने वाले विद्रोहियों ने ज्यादातर पहले के विभागों के साथ जारी रखा। पूर्व उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ दलित नेता गोविंद करजोल को बहुप्रतीक्षित प्रमुख और मध्यम सिंचाई विभाग आवंटित किया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के शिवमोग्गा जिले के एक अन्य वरिष्ठ नेता को ग्रामीण विकास और पंचायत राज विभाग आवंटित किया गया है।

हो जाएं सावधान! डेल्टा से भी ज्यादा खतरनाक हो सकता है कोरोना का नया वेरिएंट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इस वक्त कोरोना वायरस से जूझ रहा है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में कोरोना महामारी का एक और बुरा दौर शुरू हो सकता है। कहा यह भी जा रहा कि इस बार डेल्टा वेरिएंट से भी ज्यादा खतरनाक वायरस आ सकता है। अमेरिका की मिनेसोटा यूनिवर्सिटी ने एक स्टडी किया है। स्टडी के हिसाब से विशेषज्ञ माइकल ओस्टरहोम ने कुछ बातें कहीं। ओस्टरहोम के मुताबिक अगला वेरिएंट स्टेरॉयज वाला हो सकता है जो डेल्टा से भी ज्यादा खतरनाक साबित होगा। इससे पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन के डीजी ने भी कहा था कि डेल्टा जैसे और भी संक्रमण वाले वेरिएंट आ सकते हैं। क्योंकि फिलहाल वायरस लगातार अपने रंग बदल रहा है और इसमें बदलाव आ रहे हैं। विशेषज्ञों का दावा है कि एक व्यक्ति के भीतर वायरस के दस अरब कॉपी में मौजूद हो सकता है।

विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि टिका ना लगवाने वाले लोगों में वायरस और तेजी से बदल रहा है। उनके बॉडी में मौजूद वायरस म्यूटेशन के लैब के रूप में काम कर रहा है। आने वाले समय के लिए खतरनाक होगा। कुछ और विशेषज्ञों का दावा है कि आने वाले दिनों में कोरोना वायरस के मामले बढ़ेंगे और उनमें बदलाव हो सकते हैं जिसकी वजह से संक्रमण की संख्या दोगुनी हो सकती है और जो नया वेरिएंट आएगा वह और भी खतरनाक होगा। आपको बता दें कि दूसरी ओर भारत सरकार ने लोकसभा को बताया कि देश में चार अगस्त तक कोविड के डेल्टा प्लस स्वरूप के 83 मामले सामने आए। स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती पवार ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक महाराष्ट्र में 33, मध्य प्रदेश में 11 और तमिलनाडु में 10 मामले दर्ज किए गए हैं। मंत्री ने बताया कि वायरस के 'जिनोमिकट डेटा' का विश्लेषण लगातार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्यों को नियमित रूप से इसका परामर्श भेजा जाता है कि वे जिनोमी सिक्वेंसिंग के लिए नमूने भेजें।

वहीं, अमेरिका में हर दिन कोविड-19 के औसतन एक लाख नए मामले सामने आ रहे हैं, जो सर्दियों में चरम पर पहुंचे मामलों से अधिक हैं। यह दिखाता है कि वायरस का डेल्टा स्वरूप कितनी तेजी से देशभर में फैला है। देश में जून के अंत से ही हर दिन औसतन 11,000 मामले सामने आ रहे है। अब यह संख्या 1,07,143 हो गई है। अमेरिका को 1,00,000 औसत मामलों का आंकड़ा पार करने में करीब नौ महीने लगे। जनवरी की शुरुआत तक मामले करीब 2,50,000 पर पहुंच गए थे। 70 प्रतिशत से अधिक वयस्क आबादी के टीकाकरण के बावजूद मामले बढ़े हैं। यह वायरस उन लोगों में तेजी से फैल रहा है जिन्होंने टीका नहीं लगवाया है। दक्षिणी अमेरिका में फ्लोरिडा, लुसियाना और मिसीसिप्पी में अस्पताल मरीजों से भर गए हैं।

भारत के पास 3 साल में अमेरिकी मानक हाईवे होंगे : गडकरी

गांधीनगर (एजेंसी)।

केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि उनका मानना है कि तीन साल के भीतर पूरे देश को अमेरिकी राजमार्गों के मानकों के समानांतर राष्ट्रीय राजमार्ग उपलब्ध करा दिए जाएंगे। विजय रूपाणी के मुख्यमंत्री पद पर पांच साल पूरे होने के मौके पर गुजरात सरकार द्वारा आयोजित विकास दिवस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री शनिवार को वर्चुअल रूप से उपस्थित थे। गडकरी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में, हमारी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को गति मिल रही है। मेरा मानना है कि अगले तीन वर्षों तक, पूरे देश को अमेरिकी राजमार्गों के मानकों के समानांतर राष्ट्रीय राजमार्ग प्रदान किए जाएंगे। एक समय में हम प्रतिदिन केवल 2 किलोमीटर सड़कें बनाते थे, जबकि अब हम प्रतिदिन 38 किलोमीटर सड़कों का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात एक्सप्रेस-वे सड़क निर्माण में तीन विश्व रिकॉर्ड स्थापित कर चुका है। वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर सीमेंटेड फोर लेन सड़क का 2.5 किलोमीटर का हिस्सा 24 घंटे में पूरा हुआ। इसी तरह, सोलापुर-विजापुर एक्सप्रेस-वे पर, बिटुमेन रोड के 26 किलोमीटर लंबे हिस्से को 24 घंटे में पूरा किया गया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अंकलेश्वर के रास्ते किम और वडोदरा के बीच 125 किलोमीटर एक्सप्रेस-वे के लिए 8,711 करोड़ रुपये का चल रहा काम इस साल दिसंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। एक्सप्रेस-वे का यह हिस्सा बड़े दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे का हिस्सा था। यह खंड गुजरात के सात जिलों दाहोद, पंचमहल, वडोदरा, भरूच, सूरत, वलसाड और दादरा और नगर हवेली से होकर गुजरता है। गडकरी ने यह भी कहा कि थांदला के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के ग्रीनफील्ड कार्यों के 85 किलोमीटर आठ लेन के हिस्से का काम इस साल अक्टूबर तक पूरा किया जाएगा।

केरल में शासन अब पारिवारिक मामला, रियाज की पकड़ हुई मजबूत

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)।

केरल की राजनीति में वामपंथी शासन के तहत तब एक महत्वपूर्ण विचारणीय पल था, जब ऐतिहासिक जीत के बाद पिनाराई विजयन ने अपने मंत्रिमंडल में अपने नए दामाद पी.ए.मोहम्मद रियाज को शामिल किया। फिर उन्हें लोक निर्माण और पर्यटन विभाग दिया गया और लगभग तीन महीने के बाद, सभी को यह जानने में दिलचस्पी है कि क्या राज्य में शासन एक पारिवारिक मामला बन गया है। यह तब स्पष्ट हो गया जब 46 वर्षीय रियाज ने चल रहे विधानसभा सत्र को आसानी से संभाला और उन्हें राज्य के पूर्व वित्त मंत्री थॉमस इसाक के केरल इंफ्रास्ट्रक्‍ र इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड(केआईआईएफबी) की प्रमुख परियोजना को नियंत्रित करते हुए देखा गया। केआईआईएफबी एक सरकारी स्वामित्व वाली वित्तीय संस्था है जिसका गठन राज्य के राजस्व के बाहर से बुनियादी ढांचे के विकास के लिए धन जुटाने के लिए किया गया था। विजयन के दूसरे कार्यकाल में, इसाक को चुनाव लड़ने के लिए सीट नहीं दी गई क्योंकि पार्टी में कई बड़े चेहरे थें, विजयन अपनी कैबिनेट टीम को आसानी से चुनने में सक्षम थे। जब के.एन. बालगोपाल को वित्त मंत्री और उनके करीबी पी.राजीव को राज्य उद्योग मंत्री बनाया गया और उन्होंने कैबिनेट में युवाओं को शामिल किया। नाम न छापने की शर्त पर एक मीडिया समीक्षक ने बताया कि अगर कोई इस पर गौर करे कि विधानसभा में क्या हो रहा है, तो यह बिल्कुल स्पष्ट है कि रियाज ने स्पष्ट रूप से केआईआईएफबी को अपने अधीन में ले लिया है।

जिला पंचायत अध्यक्ष व ब्लॉक प्रमुखों से बोले नड्डा, विपक्षियों को तर्कों से दे जवाब, जनता को बताएं उपलब्धियां

लखनऊ (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि सभी पदाधिकारी यूपी चुनाव को लेकर अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करें। विपक्षियों को अपने तर्कों से जवाब देकर उन्हें बेकनाब करें और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं।

जेपी नड्डा शनिवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनता ने आपको चुनकर भेजा है, आप जनता के नेता नहीं, उसके विश्वास के कस्टोडियन हैं। उसके विश्वास को संभाल कर रखना चाहिए। वहीं, पंचायत चुनाव पर नड्डा ने कहा कि योगी सरकार ने लोकतंत्र को मजबूत करने का काम किया है जिस तरीके से इस महामारी में उनकी सरकार ने त्रिस्तरीय पंचायत के चुनाव कराए। ये सब आपको भारत में ही मिलेगा। यहां के लोकतंत्र की यही खूबसूरती है। कहा कि विपक्षियों अपने काम के तर्क के बल पर जवाब दें।

नड्डा ने विपक्षियों पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ नेताओं की सोच ऐसी है कि पहले वो कहते थे कि ये भाजपा की वैक्सीन है, इसे हम नहीं लगवाएंगे। लेकिन आज वैक्सीन लगा रहे हैं। जिन नेताओं की सोच इतनी छोटी है, वो उत्तर प्रदेश का नेतृत्व कैसे करेंगे? ये सोचने की बात है। पहले यूपी में इस जाति का राज है, उस जाति विशेष का राज है होता था, कभी देश और समाज का राज था ही नहीं। आज उत्तर प्रदेश में सबका साथ, सबका विकास को लेकर सिर्फ योगी जी की सरकार चली है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा जिस उत्तर प्रदेश को पहले दंगों का प्रदेश कहते थे, वो राज्य आज इसी ऑफ डूइंग बिजनेस में देश में नंबर 2 स्थान पर खड़ा है।

उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने किसानों के लिए जितना ज्यादा किया है उतना किसी ने भी नहीं किया है। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार में 1.21 लाख करोड़ रुपये कृषि पर खर्च होता था लेकिन मोदी सरकार में 2.11 लाख करोड़ रुपये कृषि पर खर्च किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश को सौभाग्य योजना के तहत करीब 80 लाख घरों को बिजली मिली है और पूरे देश में 2.62 करोड़ घरों को बिजली मिली है। आयुष्मान भारत योजना के उत्तर प्रदेश में कुल 2.54 करोड़ लाभार्थी हैं, इसमें से 1.83 करोड़ लोगों ने इसका लाभ उठा लिया है।

नड्डा ने कहा कि पहले की सरकारें कहती थीं कि हमने किसानों का कर्जा माफ किया है। कुछ किसानों का एक बार कर्जा माफ करके, फिर किसानों की सुध नहीं ली जाती थी। प्रधानमंत्री मोदी जी 10 करोड़ से अधिक किसानों को किसान सम्मान निधि के तहत सालाना 2,000 रुपये की तीन किश्त दे रहे हैं।

संसद में 'जन-विरोधी' बिजली विधेयक लाने के खिलाफ ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोलकाता। केंद्र के संसद मेंबिजली (संशोधन) विधेयक, 2020 पेश करने के 'जन विरोधी' कदम का विरोध करते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर इस विधेयक पर आगे नहीं बढ़ने का अनुरोध किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री ने अनुरोध किया कि वो 'यह सुनिश्चित करें कि इस विषय पर व्यापक-आधार वाला और पारदर्शी संवाद जल्द से जल्द शुरू किया जाए।'

उन्होंने लिखा, 'मैं काफी आलोचना झेल चुके विद्युत (संशोधन) विधेयक 2020 को संसद में पेश करने की केंद्र सरकार की नई पहल के खिलाफ फिर से अपना विरोध दर्ज करवाने के लिये यह पत्र लिख रही हूं। इसे पिछले साल पेश किया जाना था लेकिन हम में से कई लोगों ने मसौदा विधेयक के जन-विरोधी पहलुओं को रेखांकित किया था और कम से कम मैंने 12 जून 2020 को आपको लिखे अपने पत्र में इस विधेयक के सभी मुख्य नुकसानों के बारे में विस्तार से बताया था।'

बनर्जी ने पिछले साल 12 जून को मोदी को पत्र लिखकर मसौदा विद्युत (संशोधन) विधेयक 2020 को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की थी, जो उनके मुताबिक देश के संघीय ढांचे को 'बर्बाद' करने का केंद्र द्वारा एक प्रयास था। उन्होंने दावा किया कि इस विधेयक का उद्देश्य समूचे राज्य विद्युत ग्रिड को नेशनल ग्रिड का एक हिस्सा बनाना है। उन्होंने कहा, 'मैं यह सुनकर हैरान हूं कि हमारी आपत्तियों पर कोई विचार किए बिना यह विधेयक आ रहा है और वास्तव में इस बार इसमें कुछ बेहद जन-विरोधी चीजें भी हैं।

दिल्ली पुलिस ने कोविड-19 नियमों का उल्लंघन करने पर दो लाख से अधिक चालान काटे

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली पुलिस ने 19 अप्रैल से छह अगस्त के बीच कोविड-19 नियमों का उल्लंघन करने के मामले में करीब दो लाख चालान काटे हैं। यह जानकारी आधिकारिक आंकड़ों में दी गई। आंकड़ों के मुताबिक, सबसे अधिक चालान मास्क नहीं पहनने पर काटे गए। दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त जनसंपर्क अधिकारी अनिल मित्तल द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक, 19 अप्रैल से छह अगस्त के बीच कोविड-19 नियमों का उल्लंघन करने पर कुल 2,00,691 चालान काटे गए। इनमें से 1,69,659 चालान मास्क नहीं पहनने पर, 26,744 चालान सामाजिक दूरी के नियम का उल्लघंन करने पर, 1,842 चालान शराब, पान या गुटखा सेवन करने पर, 1562 चालान बड़ी संख्या में जमा होने या समागम करने पर और 884 चालान सार्वजनिक स्थलों पर थूकने की वजह से काटे गए। आंकड़ों के मुताबिक, पुलिस ने शुक्रवार को 1,072 लोगों का चालान मास्क नहीं पहनने पर काटा जबकि 215 लोगों का चालान सामाजिक दूरी के नियम का अनुपालन नहीं करने पर, दो चालान

बड़ी संख्या में लोगों के जमा होने पर, 22 चालान सार्वजनिक स्थलों पर थूकने और 91 चालान शराब, गुटखा, तंबाकू आदि का सेवन करने पर काटे गए। गौरतलब है कि दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने 26 जुलाई से मेट्रो ट्रेन और सार्वजनिक बसों को शत प्रतिशत सीट क्षमता के साथ परिचालन करने और सिनेमा हॉल, मल्टीप्लेक्स को 50 प्रतिशत क्षमता के साथ खोलने की अनुमति दी है।

राजस्थान सरकार को बंद हो चुके स्कूल के शिक्षकों के वेतन भुगतान का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उच्चतम न्यायालय ने राजस्थान सरकार को 2011 में बंद हुए सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल के शिक्षकों के वेतन का 70 प्रतिशत हिस्सा चार सप्ताह के भीतर उन्हें देने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति आरएफ नरीमन और न्यायमूर्ति बी आर गवई की पीठ ने शिक्षकों को वेतन के 70 प्रतिशत हिस्से के भुगतान के अपने 2019 के आदेश का पालन नहीं करने के लिए राज्य के शिक्षा विभाग के अधिकारियों के खिलाफ शुरू की गई अवमानना की कार्यवाही को बंद कर दिया। पीठ ने कहा कि स्कूल चलाने वाले ट्रस्ट ने संस्थान के शिक्षकों को छठे वेतन आयोग के अनुसार 52.26 लाख रुपये का भुगतान किया है और अदालत के आदेश के अनुसार, राज्य को संस्थान को इस राशि के 70 प्रतिशत की प्रतिपूर्ति करनी थी।

पीठ ने कहा, राज्य ने संस्थान को कुल राशि के 30 प्रतिशत हिस्से यानी 10.41 लाख रुपये का भुगतान किया। कुल राशि का 70 प्रतिशत यानी 41.85 लाख रुपये बकाया है। राज्य को चार सप्ताह की अवधि के भीतर इसका भुगतान करना है। अवमानना कार्यवाही बंद की जाती है। हमने यह आदेश पक्षों के बीच पूर्ण न्याय करने के लिए किया है। याचिकाकर्ता ट्रस्ट प्रबंधन समिति बिशंभर लाल माहेश्वरी एजुकेशन फाउंडेशन की ओर से पेश अधिवक्ता दुष्यंत पाराशर ने अदालत को बताया कि शीर्ष अदालत के 2019 के आदेश का अभी भी राज्य सरकार पालन नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि 30 सितंबर, 2019 का आदेश शीर्ष अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी पूर्ण शक्ति को लागू करते हुए पारित किया था और राज्य को इसका पालन करने की आवश्यकता है। पीठ ने 2019 के अपने आदेश को नोट किया और कहा कि राज्य सरकार को चार सप्ताह के भीतर उसके निर्देश का पालन करना है। मई में, शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार के शिक्षा अधिकारियों को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा था कि 2011 में बंद हो चुके स्कूल के शिक्षकों को 70 प्रतिशत वेतन भुगतान के 2019 के आदेश का पालन न करने के लिए उनके खिलाफ अवमानना कार्रवाई क्यों नहीं शुरू की जाए?

राजस्थान गैर-सरकारी शिक्षा संस्थान अधिनियम 1989 के प्रावधान के अनुसार, एक सहायता प्राप्त संस्था ट्रस्ट को राज्य सरकार से सहायता अनुदान का 70 प्रतिशत प्राप्त हो रहा था। याचिका में कहा गया है कि छात्रों की संख्या में भारी कमी के साथ-साथ घाटे से उबरने कारण, राज्य सरकार द्वारा एक अप्रैल 2008 से अनुदान सहायता रोक दी गई। स्कूल के शिक्षकों ने बकाया के साथ भुगतान के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया, जिसने स्कूल प्रबंधन को एक अप्रैल 2008 से 30 अप्रैल 2011 तक पूरे वेतन का भुगतान करने का निर्देश दिया था।

दिल्ली विधानसभा अपनी शक्तियों को वापस पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रूख करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक 2021 द्वारा शक्तियों को कम करने के केंद्र के फैसले के खिलाफ दिल्ली विधानसभा, उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी।

एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, गोयल ने कहा कि मार्च में संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित और 27 जुलाई को अधिसूचित विधेयक ने कई विधानसभा समितियों को निष्प्रभावी बना दिया है, विशेष रूप से वे जो पूर्वोत्तर दिल्ली दंगों से संबंधित मुद्दों से निपट रही हैं। उन्होंने दावा किया कि जीएनसीटीडी अधिनियम, 1991 में संशोधन करके, केंद्र ने दिल्ली विधानसभा की समितियों को दिन-प्रतिदिन के प्रशासन से संबंधित मामलों के लिए नियम बनाने से रोक दिया है। उन्होंने कहा, विधानसभा ने फैसले के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया है। हम पूरे अधिनियम को चुनौती नहीं देंगे, लेकिन इसके कुछ प्रावधान जो विधानसभा की समितियों की शक्तियों को कम करते हैं, उसको चुनौती देंगे। इस पूरे अधिनियम को चुनौती दी जाएगी या नहीं, इस पर सरकार निर्णय करेंगी। मैं उस पहलू पर टिप्पणी नहीं कर सकता। गोयल ने कहा, हमें विश्वास है कि अदालत विधानसभा की शक्तियों को बहाल करेगी जो पूरी तरह से अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक कानून के माध्यम से छीन ली गई है। हमने इस मामले पर कानूनी परामर्श लिया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)